

बांग्लादेश में एक गंभीर और सुनियोजित साजिश का खुलासा

बांग्लादेशी सेना की जगह लेगी इस्लामी मिलिशिया

बांग्लादेश में एक गंभीर और सुनियोजित साजिश का खुलासा हुआ है। राजनीतिक बयानबाजी और भेदभाव-विरोधी मुखौटे के पीछे, मुहम्मद युनुस ने शैतानी परियोजना शुरू की है जो दक्षिण एशिया में सबसे गंभीर सुरक्षा संकट को जन्म दे सकती है। बांग्लादेश

शुभ-लाभ चिंता

में इस्लामिक रिवोल्यूशनरी आर्मी (आईआरए) के गठन का काम चल रहा है, जिसका उद्देश्य बांग्लादेशी सेना की जगह युनुस और उसके इस्लामी सहयोगियों के प्रति वफादार मिलिशिया को स्थापित करना और पड़ोसी देश खासकर भारत में इस्लामिक खुराफातों को बढ़ावा देना है।

इस्लामिक रिवोल्यूशनरी आर्मी के गठन की कवायद कट्टरपंथी इस्लामवाद, विदेशी खुफिया साठगांठ और नागरिक नेटवर्क के सैन्यीकरण के सुनियोजित प्रयासों का खतरनाक संगम है। अगर इसे रोका नहीं गया, तो इसके परिणाम बांग्लादेश को एक उदार मुस्लिम लोकतंत्र से दक्षिण एशिया में जेहादियों के विस्तार के लिए एक लॉन्चपैड में



बदलने वाले हैं। बीते 20 अक्टूबर 2025 को यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ। युनुस शासन के एक प्रभावशाली और विवादास्पद सलाहकार, आसिफ महमूद शोजिब भुयान ने सात प्रशिक्षण केंद्रों में 8,850 लोगों की भर्ती और प्रशिक्षण की सार्वजनिक घोषणा की। भुयान ने कहा, प्रशिक्षुओं को मार्शल आर्ट, जूडो, ताइकांडो और आग्नेयास्त्रों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। भुयान का

यह बयान एक फ्लेश की तरह सार्वजनिक हुआ और कुछ ही घंटों में गायब हो गया। खुफिया एजेंसियों ने इसकी पुष्टि की कि यह बड़ी योजना का पहला चरण है। 8,850 रंगरूटों वाले कम से कम पांच क्रमिक बैचों को जनवरी 2026 तक प्रशिक्षण पूरा करना है। भर्ती प्रक्रिया में लिखित, मौखिक और शारीरिक परीक्षाएं शामिल हैं। सभी की देखरेख पाकिस्तान समर्थक मजबूत

झुकाव वाले सेवानिवृत्त बांग्लादेशी अधिकारियों के साथ-साथ पाकिस्तान की इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) और तुर्की की मिह्ली इस्तिहबारत टेस्किलाती (एमआईटी) के गुप्त प्रतिनिधियों द्वारा की जाएगी। यह

यूनुस की शैतानी परियोजना को सोरोस-गिरोह की मदद

सामान्य सुरक्षा अभ्यास नहीं हैं। चयनित रंगरूटों, पुरुष और महिला दोनों को पाकिस्तान और तुर्की में उन्नत कमांडो और जासूसी प्रशिक्षण के लिए तैयार किया जा रहा है। खुफिया आकलन बताते हैं कि इनमें से कुछ गुप्तों को बाद में विदेशों में, विशेष रूप से भारत, नेपाल और म्यांमार के साथ-साथ पश्चिमी देशों में विध्वंसक या खुफिया जानकारी जुटाने वाले मिशनों को अंजाम देने के लिए तैनात किया जाएगा।

इस सशस्त्र गठन का वैचारिक औचित्य युनुस शासन से संबद्ध इस्लामी संगठनों, विशेषकर जमात-ए-इस्लामी द्वारा प्रचारित व्याख्या (नैरेटिव) में निहित है। 27 सितंबर 2025 को जमात

के नायब-ए-अमीर डॉ. सैयद अब्दुल्ला मुहम्मद ताहिर ने न्यूयॉर्क में एक सभा में घोषणा की कि जमात के 50 लाख युवा भारत के विरुद्ध आजादी की लड़ाई के लिए तैयार हैं। उसने कहा, यदि भारत बांग्लादेश में प्रवेश करता है तो

1971 में हम पर लगाया गया बदनामी का दाग मिट जाएगा। हम खुद को सच्चे स्वतंत्रता सेनानी साबित करेंगे। जमात के 50 लाख युवाओं का एक हिस्सा गुरिल्ला युद्ध में शामिल होगा, जबकि बाकी भारत के अंदर गजवा-ए-हिंद को लागू करने के लिए फैलेंगे। यह बयानबाजी प्रतीकात्मक नहीं है। यह जेहादी युद्ध सिद्धांत की प्रतिध्वनि है, भारत को दुश्मन के रूप में चित्रित करती है और ऐतिहासिक अपमान की भरपाई के खिलाफ एक पवित्र युद्ध का महिमामंडन करती है। बांग्लादेश के सुरक्षा प्रतिष्ठान के लिए यह 1971 के संशोधनवाद का खतरनाक पुनरुत्थान है।

►10पर

छात्रावासों में जमा हो रहा है हथियारों का जखीरा

इसी 21 अक्टूबर को बांग्लादेश के अनुभवी राजनीतिक विश्लेषक और वरिष्ठ बीएनपी नेता मेजर (सेवानिवृत्त) मोहम्मद अख्तरुज्जमां रंजन ने यह सनसनीखेज खुलासा किया कि बांग्लादेश में एक नया सशस्त्र बल बनाने की कोशिशें चल रही हैं। उन्होंने कहा, हम जानते हैं कि विश्वविद्यालय के हॉल में ढेर सारे हथियार जमा किए जा रहे हैं। छात्रावासों में हथियारों का जखीरा छिपा कर जमा किया जा रहा है। यह आने वाले दिनों में राजनीतिक लामबंदी के रूप में छिपे सशस्त्र संघर्ष की आशंका का संकेत दे रहा है। मेजर अख्तरुज्जमां ने दावा किया कि ऐसे हथियारों को वापस पाने के लिए, विदेशी सशस्त्र बलों की आवश्यकता पड़ेगी। बांग्लादेश के सशस्त्र बल उन्हें वापस नहीं पा सकेंगे। फिर गृह युद्ध छिड़ जाएगा।



रिटायर्ड सेनाधिकारी ने कहा, इसीलिए युनुस सरकार बांग्लादेश सेना का मनोबल गिराने की कोशिशों में लगी है। भविष्य में बांग्लादेश और इस पूरे भूभाग की रक्षा खतरे में पड़ जाएगी। कुल मिलाकर देश को ऐसी स्थिति में पहुंचाया जा रहा है कि वह पड़ोसी देश भारत को रहनुमा या संरक्षक के तौर पर नहीं बल्कि शत्रु की तरह देखे, जैसा पाकिस्तान देखता है और दिखाना चाहता है।

बिहार के बाद प. बंगाल: कटेंगे फर्जी मतदाताओं के नाम

बंगाल में भी शुरू हुआ मतदाता सूची का संशोधन

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)।

चुनाव आयोग ने देशभर में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया शुरू की है। प्रक्रिया की शुरुआत बिहार विधानसभा चुनाव 2025 से हुई। इसी कड़ी में अब पश्चिम बंगाल में आगामी विधानसभा चुनावों से पहले एसआईआर प्रक्रिया जारी है। एसआईआर को लेकर बंगाल में भी सत्ताधारी पार्टी समेत कई राजनीतिक दलों का विरोध और तीखी बयानबाजियां शुरू हो गई हैं।

दूसरी तरफ एसआईआर के काम में कोताही बरतने वाले कम से कम एक हजार बूथ स्तर के अधिकारियों (बीएलओ) के खिलाफ चुनाव आयोग ने नोटिस जारी की है। पश्चिम बंगाल में चुनाव संबंधी निर्देशों का पालन न करने के आरोप में इनके खिलाफ कारण बताओ नोटिस जारी की गई है। यह कार्रवाई जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 के तहत हुई है। संबंधित सभी बीएलओ ने निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ) की बार-बार अपील के बावजूद ईआरओ-नेट पोर्टल पर अपने नाम दर्ज नहीं कराए थे। इसी को आधार बनाते हुए नोटिस जारी किए गए हैं। नोटिस में कहा गया है कि ऐसा न करना जानबूझकर की गई लापरवाही और



एक हजार लापरवाह बीएलओ को आयोग की नोटिस

कर्तव्य की गंभीर उपेक्षा है, जो जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 32 के उल्लंघन के बराबर है। इस धारा के तहत निर्वाचन कार्य में नियुक्त सभी अधिकारियों को चुनाव आयोग के निर्देशों का पालन करना अनिवार्य है। नोटिसों में इसका भी जिक्र किया गया है कि चुनावी कामकाज के दौरान बीएलओ भारतीय निर्वाचन आयोग (ईसीआई) के प्रतिनियुक्ति पर माने जाते हैं और उसके अनुशासनात्मक नियंत्रण के अंतर्गत होते हैं। इन सभी बूथ स्तरीय अफसरों से तीन दिनों के भीतर स्पष्टीकरण मांगा गया है कि उनके खिलाफ जानबूझकर लापरवाही और सरकारी आदेश की अवहेलना के लिए अनुशासनात्मक या दंडात्मक

कार्रवाई क्यों न की जाए। अधिकारी ने बताया कि तय समय सीमा के भीतर जवाब न देने की स्थिति में यह माना जाएगा कि संबंधित अधिकारी के पास कोई वैध कारण नहीं है, और फिर विभागीय नियमों के तहत कार्रवाई की जाएगी।

पश्चिम बंगाल में शुरू हुए विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया को लेकर मुख्यमंत्री एवं तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग पर आरोप लगाया कि वह भाजपा के दबाव में काम कर रहा और एसआईआर को एन-आरसी की तरह लागू करने की साजिश कर रहा है। ममता ने दावा किया कि जैसे एन-आरसी में नागरिकों और घुसपैठियों की पहचान की गई थी, उसी तरह एसआईआर के माध्यम से मतदाता सूची से कुछ लोगों को बाहर किया जा सकता है, खासकर उन समुदायों के मतदाता जिन्हें भाजपा अवैध मान सकती है।

हालांकि चुनाव आयोग स्पष्ट कर चुका है बंगाल में एसआईआर के दौरान कोई भी वैध मतदाता सूची से बाहर नहीं होगा। यह आश्वासन राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनोज अधिकारी मनोज कुमार अग्रवाल ने दिया। उन्होंने कहा कि कानून के निर्धारित की प्रक्रिया की जाएगी। ►10पर

भारत ने अफगानिस्तान से किया वादा निभाया

काबुल में खुल गया भारतीय दूतावास

काबुल, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत दौरे के बाद तालिबानी विदेश मंत्री अमीर खान मुत्तकी के अफगानिस्तान लौटते ही भारत ने काबुल में दूतावास खोलने की घोषणा कर दी। मंगलवार 21 अक्टूबर को भारत ने काबुल में अपने तकनीकी मिशन को दूतावास का दर्जा देकर अफगानिस्तान को दिया अपना वादा निभा दिया।

विदेश मंत्रालय ने कहा, हाल ही में अफगानिस्तान के विदेश मंत्री की भारत यात्रा के दौरान लिए गए निर्णय के अनुसार भारत सरकार ने काबुल में भारत के तकनीकी मिशन को भारत का दूतावास का दर्जा देने का निर्णय लिया है। यह कदम भारत की इस प्रतिबद्धता को दर्शाता है कि वह अफगान पक्ष के साथ परस्पर हित के सभी क्षेत्रों में द्विपक्षीय साझेदारी को और गहरा करना चाहता है।

उल्लेखनीय है कि तालिबानी विदेश मंत्री अमीर खान मुत्तकी 9 से 16 अक्टूबर तक भारत की यात्रा पर थे। भारत दौरे के दौरान भी मुत्तकी ने भारत के काबुल में दूतावास खोलने पर बात की थी। काबुल में दोबारा भारतीय दूतावास खुलते ही अफगानिस्तान ने भी रिटर्न गिफ्ट दे दिया। अफगानिस्तान के उप प्रधानमंत्री मुहम्मद अब्दुल गनी बरादर तापी



अफगानिस्तान ने तापी प्रोजेक्ट के प्रति दृढ़ता दिखाई

(तापी) गैस लाइन प्रोजेक्ट देखने पहुंच गए। यह प्रोजेक्ट तुर्कमेनिस्तान से अफगानिस्तान और पाकिस्तान होते हुए भारत तक प्राकृतिक गैस पहुंचाने के लिए महत्वाकांक्षी परियोजना है। तापी पाइपलाइन प्रोजेक्ट के तहत भारत को प्राकृतिक गैस पहुंचाई जाएगी। इसकी दूरी

करीब 1800 किलोमीटर के आसपास होगी। इस पाइपलाइन में हर साल लगभग 33 बिलियन घन मीटर गैस ले जाने की क्षमता होगी। इस योजना का मुख्य उद्देश्य तुर्कमेनिस्तान के गैस भंडार को भारत-पाकिस्तान में पहुंचाना है। तापी पाइपलाइन प्रोजेक्ट से भारत को काफी फायदा होने वाला है। इससे भारत में औद्योगीकरण, आबादी और शहरों के विस्तार से ऊर्जा की मांग बहुत तेजी से बढ़ेगी। इस पाइपलाइन से भारत को अलग सोर्स से गैस मिलेगी, जिससे मध्यपूर्व या समुद्री रास्तों पर निर्भरता कम होगी। ये गैस कोल या तेल की तुलना में स्वच्छ

है, जिससे शहरों में प्रदूषण कम होगा और पर्यावरण के लिहाज से भी बेहतर है। आर्थिक लाभों को देखा जाए तो ये पाइपलाइन सस्ती और बेहतर गैस आपूर्ति से भारत में फैक्ट्रियां, उर्वरक उद्योग, पावर प्लांट आदि को फायदा होगा। गैस की ऐसी आपूर्ति आने से भारत की ऊर्जा-आयात लागत कम होगी, जिससे ट्रेड बैलेंस में सुधार होगा।

भारत-अफगानिस्तान के बीच बेहतर होते संबंधों का असर यह पड़ा कि पाकिस्तान ने फिर से रुढ़ाली शुरू कर दी। ►10पर

शेयर व्यापार के एक प्रभावशाली युग का अंत

बंद हो गया कलकत्ता स्टॉक एक्सचेंज

कोलकाता, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)।



कभी बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) से मुकाबला करने वाली 117 साल पुरानी कोलकाता स्टॉक एक्सचेंज (सीएसई) ने अपना काम समेट लिया है। कई सालों के कानूनी और नियामक अड़चनों के बाद सीएसई ने अपनी आखिरी काली पूजा और दिवाली का जश्न मनाया और सोमवार (20 अक्टूबर 2025) को स्थाई रूप से काम करना बंद कर दिया। भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (सेबी) ने 2013 में सीएसई का ट्रेडिंग निलंबित कर दिया था क्योंकि यह नियामक मानकों का पालन नहीं कर पा रही थी। पिछले दस साल में ट्रेडिंग को पुनर्जीवित करने और सेबी के फैसले को चुनौती देने के प्रयासों के बावजूद एक्सचेंज ने पूरी तरह से बंद होने का निर्णय लिया। पहले सीएसई ने सेबी के आदेशों को अदालत में चुनौती देने का इरादा रखा था, लेकिन अनुकूल फैसला पिछले साल तक संभव नहीं था। दिसंबर 2024 में सीएसई बोर्ड ने सुप्रीम कोर्ट और कोलकाता हाई कोर्ट में लंबित मामलों को वापस लेने का निर्णय लिया। इसके बाद उसने स्वयं से बाहर निकलने का अनुरोध किया। ►10पर

केरल ने तमिलनाडु और प. बंगाल को दिखाया ठेंगा

पीएमश्री योजना में शामिल हुई केरल सरकार

तिरुअनंतपुरम, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। केरल सरकार ने तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल को ठेंगा दिखाते हुए भारत सरकार की पीएमश्री योजना में शामिल होने की घोषणा कर दी है। केरल सरकार का पीएमश्री योजना में शामिल होना केंद्र सरकार की दूरदर्शी नीति की जीत मानी जा रही है। भगवाकरण का शोर मचाने वाली केरल सरकार ने आखिरकार यह समझ लिया कि बच्चों का भविष्य राजनीति से बड़ा है।

कभी संसद की चौखट पर खड़े होकर शिक्षा का भगवाकरण चिल्लाते वाली केरल सरकार ने आखिरकार अपनी जिद छोड़ दी। केरल के शिक्षा मंत्री वी. सिवनकुट्टी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह घोषणा की कि राज्य सरकार उभरते भारत के लिए बेहतर स्कूल यानि प्रधानमंत्री स्कूल फॉर राइजिंग इंडिया (पीएमश्री) योजना के समझौते पर दस्तखत करेगी। इस हस्ताक्षर के साथ ही केरल



केरल में PM SHRI शिक्षा योजना को मंजूरी

महीनों तक PM SHRI विरोध करने वाली केरल सरकार अब उसी में शामिल!

सरकार ने माना, बच्चों का भविष्य राजनीति से बड़ा

सरकार को डेढ़ हजार करोड़ रुपये से ज्यादा के केंद्रीय फंड्स मिलेंगे जो शिक्षकों के लंबित

वेतन चुकाने, छात्रों को ग्रांट्स पहुंचाने और शिक्षा विभाग के चरमरते बजट को सांस देने के लिए बेहद मजबूती से मदद करेंगे। केरल सरकार का यह बदला हुआ रवैया देश की राजनीति में भूचाल ला चुका है। सहयोगी दल सीपीआई के नेता कैबिनेट में चर्चा न होने का रोना रो रहे हैं। कांग्रेस वाले सीपीएम-भाजपा का सीक्रेट गठजोड़ चिल्ला रहे हैं। जबकि एबीवीपी जैसे संगठन जीत का बिगुल बजा रहे हैं। सोशल मीडिया पर भी बहस का सैलाब उमड़ पड़ा है।

उल्लेखनीय है कि पीएमश्री (प्रधानमंत्री स्कूल फॉर राइजिंग इंडिया) केंद्र सरकार की एक मेगा पहल है, जो 2022 के केंद्रीय बजट में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने घोषित की थी। इसका मकसद देशभर के मौजूदा सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों को मॉडल स्कूल में बदलना है।

►10पर

जम्मू कश्मीर में जगमगाए सौहार्द के दीये

लाल चौक पर सजा राम का दरबार

श्रीनगर, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)।

श्रीनगर के जिस लाल चौक पर कभी डर और आतंक का माहौल होता था वह इस दिवाली पर दीपों की रौशनी से जगमगा उठा। भगवान राम के अयोध्या आगमन की खुशी में इसे हजारों दीयों से सजाया गया। यहां राम दरबार भी सजा। बदलाव की बयार के इस अद्भुत नजारे को देखकर पर्यटक ही नहीं, स्थानीय लोग भी खुशी से झूम उठे। कश्मीर में ऐसी शानदार और भव्य दिवाली मनेगी, ऐसा किसी ने सोचा नहीं था।

दीपोत्सव कार्यक्रम के लिए पूरे लाल चौक को दो दिन पहले ही खूबसूरत गुलदाज्जी के फूलों से सजा दिया गया था। पास ही में घंटाघर के नीचे दीपों से जय भारत और आप्रेशान सिंदूर के वीर जवानों का उत्साह बढ़ाने के लिए सिंदूर भी लिखा गया, जो लोगों के बीच देशप्रेम की भावना को और मजबूत कर रहा था। यहीं पर एक वाहन में सजा राम दरबार लगाया गया। शाम करीब 6 बजे से आरती शुरू हुई और देर रात तक भगवान श्रीराम के भजनों के स्वर गुंजते रहे। कार्यक्रम का आयोजन ज्योतिर्मठ की ओर से किया गया। आयोजकों, स्थानीय लोगों और पर्यटकों ने यहां मिलकर दीप जलाए। ►10पर



वाल्मीकि समुदाय के नेताओं ने विभिन्न जिलों में रमेश कट्टी के खिलाफ दो दर्जन से अधिक मामले दर्ज कराए हैं। अखिल भारतीय वाल्मीकि समाज सेवा समिति के विजयपुर जिला इकाई के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन बटगामी ने रमेश कट्टी की गिरफ्तारी की मांग की। 20 और 21 अक्टूबर को, महर्षि वाल्मीकि नायक समाज के सदस्यों ने गोकक, बेलगावी, हुक्करी, रामदुर्ग, बैलहोंगल, विजयपुरा, कलबुर्गी और अन्य स्थानों पर रमेश कट्टी की तत्काल गिरफ्तारी की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। 21 अक्टूबर को बेलगावी में विरोध प्रदर्शन आयोजित किए गए। प्रदर्शनकारी रानी चन्नम्मा सर्कल पर एकत्र हुए और अपना रोष व्यक्त किया। कुछ युवाओं ने रमेश कट्टी के चित्र जलाए और उन पर चपलों की माला चढ़ाई। प्रदर्शनकारियों ने 24 अक्टूबर को कर्नाटक बंद का आह्वान किया है।

राजनीतिक गठबंधनों - एलएबी और केडीए के बीच महीनों के गतिरोध के बाद नए सिरे से बातचीत के हिस्से के रूप में हुई। 24 सितंबर को लेह में हुई हिंसा की न्यायिक जांच की गृह मंत्रालय द्वारा 19 अक्टूबर को घोषणा के बाद बातचीत फिर से शुरू हुई, जिसमें चार लोग मारे गए और 80 से अधिक घायल हुए, एलएबी और केडीए द्वारा बातचीत की मेज पर लौटने के लिए निर्धारित पूर्व शर्तों में से एक को पूरा किया गया।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यक्रम में बोले योगी आदित्यनाथ

हलाल सर्टिफिकेट वाले उत्पाद कतई न खरीदें : योगी
आतंकवाद, लव जेहाद, धर्मांतरण के लिए होता है इस धन का इस्तेमाल

गोरखपुर, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के नागरिकों को हलाल सर्टिफिकेशन वाले उत्पाद खरीदने से मना किया है। सीएम योगी ने कहा है कि हलाल सर्टिफिकेट वाले सामानों से आया धन आतंकवाद, लव जेहाद, धर्मांतरण और अन्य राष्ट्र विर-धोषी क्रिया-कलापों में होता है। सीएम योगी ने कहा कि यूपी में हलाल सर्टिफिकेशन पर पूरी तरह से रोक लगी है। उत्तर प्रदेश में अब कोई भी संस्था हलाल सर्टिफिकेट लगाकर अपने प्रोडक्ट नहीं बेच पाएगा। सीएम योगी ने अपील की कि कोई भी सामान खरीदते समय जीएसटी जरूर दें।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सामान खरीदते समय एक चीज जरूर देखिए। क्या उसमें हलाल सर्टिफिकेशन तो नहीं लिखा हुआ है। यानि हर वस्तु में हलाल सर्टिफिकेशन। हमने यूपी में बैन किया है। मुझे लगता है यूपी में कोई उसे खरीदने या बेचने का दुस्साहस नहीं करेगा, लेकिन आप आश्चर्य करेंगे कि साबुन का भी हलाल, कपड़े का भी हलाल। सीएम योगी ने कहा कि हमने जब कार्रवाई शुरू की तो 25 हजार करोड़ रुपए देश के अंदर हलाल सर्टिफिकेशन से उगाहा जाता था। भारत सरकार या राज्य सरकार की किसी भी एजेंसी ने उन्हें मान्यता नहीं दी है। ये सारा का सारा पैसा आतंकवाद के लिए, लव जेहाद के लिए और धर्मांतरण में दुरुपयोग होता है। सीएम योगी ने उत्तर प्रदेश ने इसके खिलाफ बड़ी कार्रवाई शुरू की है। हलाल सर्टिफिकेशन के नाम पर भारत के ग्राहकों का शोषण करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। कोई सामान खरीदते हैं तो ये जरूर देखिए कि जीएसटी हमें



देना है। यह भी देखिए कि हलाल सर्टिफिकेशन के नाम पर एक फूटी कौड़ी भी नहीं देनी है। क्योंकि जितना पैसा भी जाएगा, यह सारा पैसा आपके खिलाफ षड्यंत्र में इस्तेमाल

होगा। यह षड्यंत्र बड़े स्तर पर हो रहा है। यही होता है, ये छागुर एक नमूना के रूप में बलरामपुर में गिरफ्तार करके जेल के अंदर भेजा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा

कि हमारे देश में अंग्रेजी शासन से मोर्चा लेने की चर्चा तो होती है लेकिन राजनीतिक इस्लाम की चर्चा नहीं होती। राजनीतिक इस्लाम ने हमारी आस्था पर कुठाराघात किया। हमारे

पूर्वजों ने ब्रिटिश और फ्रांस के उपनिवेश के खिलाफ ही लड़ाई नहीं लड़ी, राजनीतिक इस्लाम को लेकर भी मोर्चा लिया था। वीर शिवाजी और महाराणा प्रताप के नाम इसमें

उल्लेखनीय हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन में कांग्रेस को भी निशाने पर रखा। कहा कि कांग्रेस प्रभु राम और कृष्ण को नकारती थी। कांग्रेस ने अदालत में

एफिडेविट देकर कहा था कि भगवान राम और कृष्ण मिथक हैं। सपा ने निर्ममता के साथ राम भक्तों पर गोलियां चलाई थीं। उन्होंने कहा कि आज दुनिया अयोध्या में आकर प्रभु श्रीराम के दर्शन कर अभिभूत हो रही है। पिछले साल 6 करोड़ लोगों ने अयोध्या में प्रभु राम का दर्शन किया। प्रयागराज में महाकुंभ के 66 करोड़ से अधिक लोग साक्षी बने। मुख्यमंत्री ने कहा कि सपा और कांग्रेस के लोग इसमें शुरुआत से ही खोट निकाल रहे थे।

सीएम योगी ने यह बात गोरखपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी समारोह के तहत विचार-परिवार कुटुम्ब स्नेह मिलन कार्यक्रम में कही। उन्होंने कहा, आपको आश्चर्य होगा कि साबुन और कपड़ों का भी हलाल। दियासलाई का भी हलाल। मैंने कहा कि ये तो षड्यंत्र है। माचिस तो झटका वाला है, आप एक झटके में लगाएं, तभी जलेगा। आप हलाल करते रहेंगे तो कभी नहीं जलेगी माचिस।

उल्लेखनीय है कि योगी सरकार ने साल 2023 में हलाल-सर्टिफाइड उत्पादों पर बैन लगा दिया था। यूपी सरकार ने तय किया था कि राज्य की सीमा के भीतर हलाल उत्पादों के उत्पादन, वितरण, भंडारण पर सम्पूर्ण बैन लागू हो।

यह बैन 18 नवंबर 2023 से लागू है। कुछ संस्थाएं बिना मान्यता के हलाल सर्टिफिकेशन जारी कर रही थीं। इनमें अधिकतर खाद्य, दवाइयां और कॉस्मेटिक्स के सामान शामिल थे। सरकार ने कहा कि यह व्यापार-मानदंड और सामाजित संतुलन के लिए समस्या पैदा कर रहा था, इसीलिए इस पर प्रतिबंध लगा दिया गया।

पीएम मित्र पार्क में पांच हजार करोड़ का निवेश

टेक्सटाइल हब बनाने की दिशा में होगा गेम चेंजर

लखनऊ, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश को भारत का टेक्सटाइल हब बनाने की दिशा में पीएम मित्र पार्क गेम चेंजर साबित होने जा रहा है। लखनऊ और हरदोई जिले में विकसित हो रहे पीएम मित्र पार्क में अब तक पांच हजार करोड़ रुपए से अधिक के निवेश प्रस्ताव मिल चुके हैं। आदित्य बिरला ग्रुप, अजूल डेनिमकार्ट और टीटीएल जैसी कंपनियां निवेश के लिए आ रही हैं।

हैंडलूम एवं टेक्सटाइल विभाग की ओर से अब तक करीब 100

औद्योगिक इकाइयों के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) साइन किए जा चुके हैं। इनमें देश-विदेश की कई बड़ी कंपनियां शामिल हैं, जो उत्तर प्रदेश को टेक्सटाइल उद्योग का नया केंद्र बनाने की दिशा में काम करेंगी। आदित्य बिरला ग्रुप ने 30 एकड़ भूमि में स्पिनिंग और वीविंग यूनिट स्थापित करने की इच्छा जताई है।

वहीं, जीईएसएल स्पिनर्स 20 एकड़ में टेक्निकल टेक्सटाइल यार्न यूनिट लगाने की योजना बना रहा है। इसके अलावा अजूल डेनिमकार्ट 15 एकड़ में डेनिम फैब्रिक यूनिट, एसएवीएम इंक डी 25 एकड़ में गारमेंट मैनुफैक्चरिंग, जियोसिस इंडिया 25 एकड़ में जियोग्रिड टेक्निकल टेक्सटाइल्स, और टीटी लिमिटेड

5 एकड़ में गारमेंट यूनिट लगाने जा रही हैं। आरजीआई मेडिटेक 2.5 एकड़ में सैनिटरी नेपकिन और डायपर यूनिट, वीडी ग्रुप 10 एकड़ में पॉलिप्रोपिलीन फैब्रिक यूनिट, माराल ओवरसीज 5 एकड़ में गारमेंट मैनुफैक्चरिंग, और ओखला गारमेंट एंड टेक्सटाइल क्लस्टर 125 एकड़ में गारमेंट मैनुफैक्चरिंग हब स्थापित करेगी।

यह महत्वाकांक्षी परियोजना कुल 1000 एकड़ भूमि पर विकसित की जा रही है, जिसमें लखनऊ जनपद की 730 एकड़ भूमि और हरदोई जनपद की 270 एकड़ भूमि शामिल है। पार्क के निर्माण के बाद 10 हजार करोड़ रुपए से अधिक निवेश आने की संभावना है,

जिससे एक लाख से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। पार्क के संचालन एवं प्रबंधन के लिए पीएम मित्र पार्क उत्तर प्रदेश लिमिटेड नाम से एक एसपीवी का गठन किया गया है। इसमें 51 प्रतिशत हिस्सेदारी उत्तर प्रदेश सरकार की और 49 प्रतिशत भारत सरकार की होगी। कनेक्टिविटी ने निवेशकों का ध्यान सबसे ज्यादा खींचा है। लखनऊ एयरपोर्ट से इसकी दूरी 45 किलोमीटर, मल्लिहाबाद रेलवे स्टेशन से 15 किलोमीटर और लखनऊ जंक्शन से 40 किलोमीटर है। वहीं, नेशनल हाईवे (लखनऊ-हरदोई-दिल्ली) केवल 15 किलोमीटर और आउटर रिंग रोड 20 किलोमीटर की दूरी पर है।

ऊर्जा निगमों में बेमानी नियम लागू करने का विरोध

उपभोक्ता परिषद ने खटखटाया नियामक आयोग का दरवाजा

लखनऊ, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन द्वारा लागू की जा रही वर्टिकल व्यवस्था का विरोध तीव्र होता जा रहा है। केस्को, अलीगढ़, मेरठ, बरेली के बाद राजधानी लखनऊ लेसा, नोएडा सहित अन्य क्षेत्रों में बिजली वितरण कंपनियों द्वारा बिना उत्तर प्रदेश विद्युत नियामक आयोग की स्पष्ट अनुमति के वर्टिकल व्यवस्था लागू कर दी गई है। इस व्यवस्था के तहत उपभोक्ताओं को शिकायतों के समाधान के लिए एक केंद्रीकृत प्रणाली पर निर्भर किया गया है, लेकिन यह पूरी तरह से विफल सिद्ध हो रही है। पावर कॉरपोरेशन 1912 के माध्यम से उपभोक्ता की शिकायतों के समाधान की व्यवस्था बना रहा है जबकि अभी तक इसमें ओटीपी व्यवस्था लागू नहीं हुई है।

मंगलवार को नियामक आयोग में दाखिल किए गए प्रस्ताव में राज्य विद्युत उपभोक्ता

परिषद अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने कहा कि केस्को, अलीगढ़, मेरठ, बरेली, और अब लखनऊ लेसा, नोएडा सहित अन्य क्षेत्रों में बिजली वितरण कंपनियों द्वारा बिना उत्तर प्रदेश विद्युत नियामक आयोग की स्पष्ट अनुमति के वर्टिकल व्यवस्था लागू कर दी गई है। इस व्यवस्था के तहत उपभोक्ताओं को शिकायतों के समाधान के लिए एक केंद्रीकृत प्रणाली पर निर्भर किया गया है, लेकिन यह पूरी तरह से विफल सिद्ध हो रही है। पावर कॉरपोरेशन 1912 के माध्यम से उपभोक्ता की शिकायतों के समाधान की व्यवस्था बना रहा है जबकि अभी तक इसमें ओटीपी व्यवस्था लागू नहीं हुई है।

परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने प्रस्ताव दाखिल करते हुए विद्युत वितरण संहिता के प्रावधानों के उल्लंघन का मामला उठाया। उन्होंने कहा कि 1947 में बने राज्य विद्युत परिषद की संरचना में बदलाव किया जा रहा है। विद्युत नियामक आयोग को विश्वास में नहीं लिया गया। परिषद ने बताया कि मनमाने नियम लागू करने से 1912 कॉल सेंटर पूरी तरह निष्क्रिय हो गया है। शिकायतें दर्ज नहीं हो रही और समाधान का कोई ट्रैक उपलब्ध नहीं। ओटीपी आधारित शिकायत प्रणाली की कोई स्पष्ट प्रक्रिया उपभोक्ताओं को नहीं बताई गई है। जबकि आयोग ने निर्देश दिया था कि इस पर एक रिपोर्ट तैयार कर इसे लागू किया जाए। अभी तक इसे लागू न

करने की वजह भी नहीं बताई जा रही है। उपभोक्ताओं को यह जानकारी नहीं दी जा रही कि किस अधिकारी से संपर्क करें, कहां जाएं या अपनी शिकायतें कैसे दर्ज कराएं। न कोई जन सूचना, न सार्वजनिक दिशा-निर्देश और न ही समय-सीमा निर्धारित की गई है।

नियामक आयोग से विधिवत अनुमति लेने के बजाय पावर कारपोरेशन ने तुलुकी आदेश जारी कर दिया। उपभोक्ता परिषद ने मांग की है कि वर्टिकल व्यवस्था तत्काल प्रभाव से रोकी जाए। उपभोक्ताओं को स्पष्ट एवं पारदर्शी सूचना दी जाए। 1912 कॉल सेंटर की व्यवस्था तत्काल दुरुस्त की जाए और ओटीपी आधारित प्रणाली को उपयुक्त और सुगम बनाया जाए।

5 शहर, 5 रणनीति, एक लक्ष्य : यूपी में निवेश

पांच महानगरों में खुलेंगे इन्वेस्ट-यूपी के कार्यालय

मुंबई, बंगलूर, हैदराबाद, चेन्नई और दिल्ली में खुलेंगे दफ्तर

लखनऊ, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार ने निवेशकों को आकर्षित करने की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाया है। अब देश के पांच प्रमुख महानगरों मुंबई, बंगलूर, हैदराबाद, चेन्नई और दिल्ली में इन्वेस्ट-यूपी के सैटेलाइट इ-

वेस्टमेंट प्रमोशन ऑफिस खोले जाएंगे। इसका उद्देश्य देश के बड़े औद्योगिक केंद्रों से पूंजी निवेश को सीधे उत्तर प्रदेश तक लाना और निवेशकों को राज्य की नीतियों एवं संभावनाओं से जोड़ना है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पहले ही इन्वेस्ट यूपी के पुनर्गठन प्रस्ताव को हरी झंडी दे चुके हैं। इसी क्रम में इन सैटेलाइट ऑफिसों की स्थापना किए जाने का प्रस्ताव है, जो राज्य में औद्योगिक विकास को नई रफ्तार देंगे।

प्रत्येक ऑफिस में एक जनरल



मैनेजर, एक असिस्टेंट जनरल मैनेजर, दो उद्यमी मित्र, दो एग्जिक्यूटिव और

दो ऑफिस असिस्टेंट की टीम कार्य करेगी। सभी पांचों कार्यालयों पर कुल 12 करोड़ रुपए से अधिक की वार्षिक धनराशि व्यय होने का अनुमान है। सरकार की योजना के अनुसार, प्रत्येक शहर का सैटेलाइट ऑफिस अपनी भौगोलिक और औद्योगिक विशेषता के अनुरूप रणनीतिक क्षेत्रों पर केंद्रित रहेगा। मुंबई ऑफिस वित्तीय सेवाओं, इंफ्रास्ट्रक्चर, फिनटेक और ईएसजी फंड पर ध्यान देगा। बंगलूर ऑफिस जीसीसी, एगरोस्पेस, सेमीकंडक्टर, ईवी और डीपटेक सेक्टर

पर फोकस करेगा। हैदराबाद ऑफिस फार्मा, डेटा सेंटर, हेल्थटेक और एंटरप्राइज उद्योगों पर केंद्रित रहेगा। चेन्नई ऑफिस ऑटोमोटिव, इलेक्ट्रॉनिक्स, टेक्सटाइल और हार्डवेयर निर्माण उद्योगों में निवेश आकर्षित करेगा। नई दिल्ली ऑफिस समर्पित इन्वेस्ट यूपी एवं एशिया-यूर-पीपिय संघ सुविधा कार्यालय के रूप में कार्य करेगा।

योगी सरकार का यह कदम निवेशकों से नजदीकी संवाद बढ़ाने और राज्य की ईज ऑफ डूइंग बिजनेस

की छवि को और मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का कहना है कि उत्तर प्रदेश अब केवल उपभोक्ता राज्य नहीं, बल्कि निवेशकों का पसंदीदा गंतव्य बन चुका है। सैटेलाइट ऑफिस इस दिशा में सेतु का काम करेंगे।

इन सैटेलाइट ऑफिस के माध्यम से उत्तर प्रदेश देश के शीर्ष औद्योगिक केंद्रों में अपनी स्थायी मौजूदगी दर्ज करेगा और वैश्विक निवेश मानचित्र पर एक नई पहचान बनाएगा।

जानकारी

कमजोर हड्डियों को स्ट्रोंग बनाएंगे ये आहार



सर्दियों में बहुत से लोगों को जोड़ों में दर्द की समस्या रहती है। जब हड्डियां कमजोर हो जाती हैं, जिस वजह से बार-बार उनमें दर्द रहने लगता है। अगर आप भी सर्दियों में इस तरह की परेशानी से गुजर रहे हैं तो अपने खान-पान में थोड़ा बदलाव लाएं। इससे काफी फायदा होगा। अपने आहार में ऐसी चीजों को शामिल करें, जो हड्डियों को मजबूत बनाए रखेंगी। हम आपको कुछ ऐसे आहार के बारे में बताएंगे, जिनको सर्दियों में खाना काफी फायदेमंद हो सकता है।

- ▶ **पनीर** विटामिन D होता है, जिसको खाने से हड्डियां मजबूत रहती हैं। ध्यान रखें कि पनीर को ज्यादा तेल में न तले। इसके अलावा पनीर को ग्रिल्ड करके भी खाया जा सकता है।
- ▶ **दूध** में विटामिन D होता है, जिसको ड्राई फ्रूट्स में मिलाकर पीएं। इससे जोड़ों से जुड़ी कई प्रॉब्लम दूर होगी।



- ▶ **संतरे** के रस में भी विटामिन D मौजूद होता है। लेकिन ध्यान रखें कि जूस में ज्यादा शुगर की मात्रा न हो।
- ▶ **फिश** में भी विटामिन मौजूद होते हैं। इसको खाने हड्डियों की समस्या दूर रहती है।
- ▶ **अंडा** भी आपके लिए काफी फायदेमंद साबित होगा। इसलिए रोजाना एक अंडे का सेवन जरूर करें। इसको आप जैसे चाहें उबाल कर या फिर ऑमलेट बनाकर खाएं।
- ▶ **मशरूम** में भी विटामिन D मौजूद होते हैं। इसको बढ़ती उम्र के लोगों के लिए मशरूम काफी फायदेमंद है। इसको आप सब्जी या अन्य किसी तरह खा सकते हैं।
- ▶ **कॉड लिवर तेल** में विटामिन D मौजूद होता है। इसका रोजपोना एक चम्मच खाएं और आपको इसके कैल्शियम भी मिल जाएंगे, जिन्हें आप खा सकते हैं।
- ▶ **दही** भी हड्डियों के लिए काफी फायदेमंद है। दही में शक्कर डालने के बजाए, उसमें जीरा या नमक मिलाकर खाएं।



स्मार्ट तरीके से करें कॉर्नर डिजाइन

अपने घर को सजाना काफी मजे का काम है। हम अपनी मर्जी से घर में फर्नीचर, वॉल डेकोरेशन और रंगों का चुनाव खुद करते हैं तो मन को अलग ही सुकून मिलता है। साफ-सथुरा और स्मार्ट तरीके से सजा घर हमारी दिन भर की थकान को एकदम से दूर कर देता है। अगर घर छोटा हो तो उसकी डेकोरेशन करना काफी मुश्किल होता है। अक्सर हम देखते हैं कि घर के सभी कमरों खूबसूरत तरीके से सजे तो होते हैं लेकिन उनका कॉर्नर काफी खाली-खाली सा लगता है। आज हम आपको घर के कॉर्नर को स्मार्ट तरीके सजाने के कुछ टिप्स बताएंगे, जिससे घर की बाकी जगह पर स्पेस भी रहेगी और कॉर्नर का इस्तेमाल भी हो जाएगा।



कॉर्नर लाइटनिंग

वहीं आप कॉर्नर लाइटनिंग से भी कोने की जगह को डेकोरेट कर सकते हैं। इससे रूम को भी काफी खूबसूरत लुक मिलेगा।



कॉर्नर प्लांट

अगर आप कॉर्नर पर शेल्फ नहीं बनाना चाहते हैं तो वहां कोई खूबसूरत गमले में लगा प्लांट या लॉवर प्लांट लगाएं।



कॉर्नर शेल्फ

घर के कॉर्नर पर छोटी-छोटी शेल्फ बनाएं और उसपर कोई भी शो पीस सजाएं।



स्टडी टेबल

आप चाहें तो कॉर्नर पर बच्चों या खुद के लिए छोटा सा स्टडी टेबल फिक्स करवा सकते हैं।

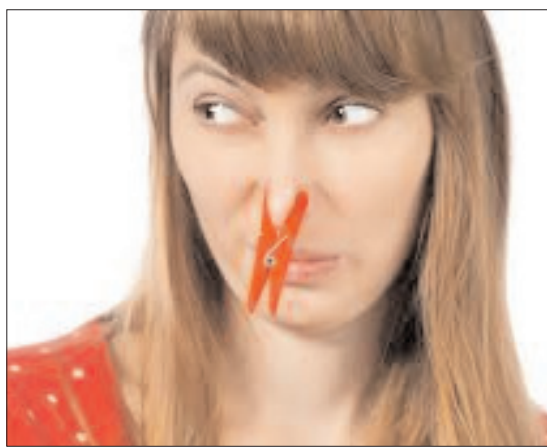


बुक शेल्फ

किताबों को बिखेर कर रखने के बजाए इन्हें कॉर्नर पर शेल्फ बना कर सजाएं। इससे आपको बुक्स दूढ़ने में भी आसानी होगी।

टिप्स

बाथरूम से आ रही बदबू को इन तरीकों से करें दूर



बाथरूम से आने वाली बदबू के कारण मूड खराब होने के साथ-साथ घर आए मेहमानों के सामने भी आपको शर्मिंदा होना पड़ता है। बाथरूम की दुर्गंध दूर करने के लिए आप मंहे से मंहे प्रॉडक्स का इस्तेमाल करते हैं लेकिन किसी से भी इसकी बदबू नहीं जाती। ऐसे में कुछ घरेलू और असरदार तरीकों से आप इस बदबू को दूर कर सकते हैं। आइए जानते हैं किचन में मौजूद इन चीजों से किस तरह आप बाथरूम की बदबू से छुटकारा पा सकते हैं।

नींबू का रस

नींबू के रस को बीथरूम प्लोर पर डालकर कुछ देर के लिए बंद कर दें। थोड़ी देर बाद पानी से बाथरूम को साफ कर दें। आपका बाथरूम साफ और बदबू फ्री हो जाएगा।



सिरका

पानी में ज्यादा मात्रा में सिरका मिला कर बाथरूम पर फैला दें और कुछ देर बाथरूम को बंद करने के बाद पानी से सफाई करें। आप इसे सप्ताह में दो बार इस्तेमाल कर सकती हैं।



पौधे लगाना

बाथरूम में खूबसूरत पौधे लगा कर भी आप बाथरूम की बदबू को दूर कर सकते हैं। इसके अलावा जब आप बाथरूम इस्तेमाल न कर रहे हो तो उसे बंद कर दें। इससे बदबू आने की समस्या दूर हो जाएगी।



बेकिंग सोडा

बेकिंग सोडा को पानी में मिलाकर रोजाना पोछ लगाने से बदबू की समस्या दूर हो जाएगी। आप चाहें तो बेकिंग सोडा को पानी में मिलाकर बाथरूम को धो भी सकते हैं।



मोमबत्ती का इस्तेमाल

रात के समय बाथरूम में खुशबूदार कैंडल लगाने से सुबह तक बदबू गायब हो जाएगी। इसके अलावा बाथरूम को हर समय गीला रखने के कारण भी बदबू आने लगती है। इसलिए इसे ज्यादा समय तक गीला न रखें।



घूमने के साथ-साथ इस जगह पर लें रोमांच और ट्रैकिंग का मजा

घूमने के साथ-साथ इस जगह पर लें रोमांच और ट्रैकिंग का मजावैसे तो भारत में घूमने फिरने के लिए बहुत सी खूबसूरत जगहें हैं लेकिन आज हम आपको बेहद रोमांचित जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं। इस रोमांच से भरी जगहों पर आप घूमने के साथ ट्रैकिंग का भी मजा ले सकते हैं। कई साल पुरानी इस गुफा को देखने को ट्रैकिंग का मजा लेने ट्रिस्ट दूर-दूर से आते हैं। कर्नाटक, कुमता जिले के याना गांव में स्थित इस गुफा की संरचना कारस्ट पत्थरों से की गई है। इसी कारण इस गुफा का रंग काला है। सितंबर से फरवरी के महीनों में घूमने के लिए यह जगहें बेस्ट हैं।



यहां पर मौजूद मधुगिरि और देवरासनदुर्ग के पर्वत पर आप ट्रैकिंग का मजा ले सकते हैं। इस पर्वत के उपर से आप पूरे जंगल का खूबसूरत मजारा देख सकते हैं। ट्रैकिंग के लिए मधुगिरि पर्वत के किले के दरवाजे में से निकलने के बाद सीढ़ियों पर से ट्रैकिंग करना और भी खतरनाक हो जाता है।

घूमने की जगहें

इसके अलावा आप यहां पर मौजूद याना रॉक गुफाएं भी देख सकते हैं। यहां पर 390 फीट और 300 फीट ऊंचा भीरवेंशर शिखर



भी देखने लायक है। गुफा में जाने के लिए आपको करीब 260 सीढ़ियां चढ़नी पड़ती हैं।



इसके बाद अंदर घूमने के लिए भी आपको करीब 900 सीढ़ियां चढ़नी पड़ती हैं। इसके अलावा इसके रास्ते में आपको पानी की भी कोई कमी नहीं दिखेगी।

विभूति झरना

याना की गुफाएं देखने के बाद आप यहां पर मौजूद खूबसूरत विभूति झरना देख सकते हैं। पश्चिमी घाट से बहने वाले इस झरने को माग्बी झरने के नाम से भी जाना जाता है। इस झरने के आस-पास आप वांस और जंगली पेड़ पौधे देख सकते हैं।

रेसिपी



इटली स्टिर फ्राई

सामग्री

सूजी - 270 ग्राम, दही- 370 ग्राम, पानी - 50 मिलीलीटर, नमक - 1 चम्मच, फ्रूट सॉल्ट - छोटा डेढ़ चम्मच, पानी - 1 बड़ा चम्मच, तेल - ब्रश करने के लिए, तेल - फ्राई करने के लिए, तेल - 1 बड़ा चम्मच, सूखी लाल मिर्च - 3, अदरक-लहसुन का पेस्ट - 1 बड़ा चम्मच, हरा प्याज - 65 ग्राम, शिमला मिर्च - 105 ग्राम, चिली सॉस - 2 चम्मच, सोया सॉस - 1 बड़ा चम्मच, नमक - 1 छोटा चम्मच, तिल के बीज - 1 बड़ा चम्मच

विधि

एक बाउल में 270 ग्राम सूजी, 370 ग्राम दही, 50 मिलीलीटर पानी, 1 चम्मच नमक डालकर अच्छी तरह से मिलाएं। इस मिश्रण को 10 मिनट के लिए रख दें। फिर इसमें छोटा डेढ़ चम्मच फ्रूट सॉल्ट, 1 बड़ा चम्मच पानी डालकर अच्छे से मिलाएं। अब इटली बनाने वाले बर्तन में ब्रश की सहायता से तेल लगाएं। इसके बाद इसमें चम्मच की सहायता से इटली के मिश्रण को डालें। इसे 10-12 मिनट तक स्टीम करें या जब तक इटली अच्छे से पक नहीं जाती। थोड़ा ठंडा होने पर इटली को एक बाउल में डाल दें। इसके बाद इटली की लंबी-लंबी स्लाइस काट लें। एक कड़ाही में मध्यम आंच पर प्याज तेल गर्म करें और इटली को इसमें सुनहरा भूरा और क्रुक्रा होने तक फ्राई करें। फिर इसे अक्सोबैट पेपर पर निकाल कर एक तरफ रख दें। एक अन्य कड़ाही में 1 बड़ा चम्मच तेल, 3 सूखी लाल मिर्च, 1 बड़ा चम्मच अदरक-लहसुन का पेस्ट डालकर अच्छी तरह से मिलाएं। इसमें 65 ग्राम हरा प्याज डालकर 2-3 मिनट के लिए भूनें। अब 105 ग्राम शिमला मिर्च डालकर 3-5 मिनट के लिए भूनें लें। सॉस, 1 छोटा चम्मच नमक, 1 बड़ा चम्मच तिल के बीज डालकर अच्छी तरह से मिलाएं। आपकी इटली स्टिर फ्राई तैयार है।



पंजीरी

सामग्री

घी - 5 बड़े चम्मच (विभाजित), एडिबल गम क्रिस्टल - 120 ग्राम, पपड लोटस सीड्स - 60 ग्राम, काजू - 150 ग्राम बादाम - 250 ग्राम, पिस्ता - 90 ग्राम, तरबूज के सूखे बीज - 150 ग्राम किशमिश - 85 ग्राम, घी - 200 ग्राम सूजी - 500 ग्राम, कढ़कस किया नारियल - 100 ग्राम, इलायची पाऊडर - 1 चम्मच, चीनी पाऊडर - 500 ग्राम

विधि

एक कड़ाही में 2 बड़े चम्मच घी डालकर मध्यम आंच पर गर्म करें। फिर इसमें 120 ग्राम एडिबल गम क्रिस्टल डालकर तब तक भूनें, जब तक कि यह आकार में खल नहीं हो जाते। इसके बाद एक अन्य कड़ाही में 1 बड़ा चम्मच घी डालकर मध्यम आंच पर गर्म करें। इसमें 60 ग्राम पपड लोटस सीड्स डालकर हल्का सुनहरा होने तक भूनें। फिर एक कड़ाही ले और उसमें 1 बड़ा चम्मच घी डालकर मध्यम आंच पर गर्म करें। इसमें 150 ग्राम काजू, 250 ग्राम बादाम, 90 ग्राम पिस्ता, 150 ग्राम सूखे तरबूज के सूखे बीज डालकर 3-5 मिनट के लिए भूनें लें। एक अन्य कड़ाही में 1 बड़ा चम्मच घी डालकर मध्यम आंच पर गर्म करें। इसमें 85 ग्राम किशमिश डालकर सुनहरा भूरा होने तक भूनें। एक कड़ाही में 200 ग्राम घी डालकर मध्यम आंच पर गर्म करें। फिर इसमें 500 ग्राम सूजी डालें और इसे तब तक पकाएं, जब तक कि इसमें से सुगंध न आने लगे। अब इसमें 100 ग्राम कढ़कस किया हुआ नारियल, 1 चम्मच इलायची पाऊडर डालें और सुनहरा भूरा होने तक मिश्रण को लगातार हिलाते रहें। इसके बाद चोपर में सारे ड्राई फ्रूट्स और फ्राई किए हुए नट्स डालकर इन्हें चोप करके मिश्रण तैयार कर लें। एक बाउल में सूजी का मिश्रण, कमल के बीज का मिश्रण, ड्राई फ्रूट्स का मिश्रण और 500 ग्राम चीनी पाऊडर डालकर अच्छे से मिलाएं। इसे सर्व करें।

बांग्लादेश में जुलाई विद्रोह के दौरान हुए हत्याकांड में 15 मौजूदा सैन्य अधिकारियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, आईसीटी ने जेल भेजा

ढाका, 22 अक्टूबर (एजेंसियाँ)।

बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण-1 (आईसीटी-1) ने मौजूदा सैन्य अधिकारियों को जेल भेजने का आदेश दिया। इन सभी पर जुलाई विद्रोह के दौरान हत्या करने और दो लोगों को गायब करने का आरोप है। आईसीटी-1 के आदेश के बाद इन सभी सैन्य अफसरों को वैन से जेल ले जाया गया। इन सैन्य अधिकारियों को कड़ी सुरक्षा के बीच आईसीटी-1 के सामने पेश किया गया।

रिपोर्ट के अनुसार, इन 15 अफसरों को पहले बांग्लादेश को सेना ने हिरासत में लिया।

इसके बाद सभी को कड़ी सुरक्षा के बीच आईसीटी-1 मुख्यालय ले जाया गया। मुख्यालय के आसपास बॉर्डर गाई बांग्लादेश (बीजीबी), रैपिड एक्शन बटालियन (आरएबी) और पुलिस का कड़ा पहरा रहा। आईसीटी-1 का आदेश आते ही सैन्य अधिकारियों को हरे रंग की एसी सुविधा वाली विशेष जेल वैन में ले जाया गया। मुख्य अभियोजक ताजुल इस्लाम ने आईसीटी-1 की कार्यवाही के बाद संवाददाताओं को बताया कि सुनवाई के बाद न्यायाधिकरण ने सभी 15 अधिकारियों को जेल भेजने का आदेश दिया। उन्होंने कहा कि अंतरिम

सरकार जेल अधिकारियों के साथ मिलकर यह तय करेगी कि इन अधिकारियों को जेल में किस सुविधा में रखा जाएगा। ये अधिकारी हैं-मेजर जनरल शेख मोहम्मद सत्वर हुसैन, ब्रिगेडियर जनरल मोहम्मद जहांगीर आलम, तोफायेल मुस्तफा सरवर, मोहम्मद कमरुल हसन, मोहम्मद महबूब आलम, मोहम्मद महबुबुर रहमान सिद्दीकी और अहमद तनवीर मजहर सिद्दीकी, कर्नल अनवर लतीफ खान, एकेएम आजाद, अब्दुल्ला अल मोमेन और मोहम्मद सरवर बिन कासिम, लेफ्टिनेंट कर्नल मोहम्मद मोशिरु रहमान ज्वेल, सैफुल इस्लाम सुमन

और मोहम्मद रेदोवानुल इस्लाम और मेजर रफत बिन आलम मून। मुख्य अभियोजक ने बताया कि न्यायाधिकरण ने हत्या के मामले और गुमशुदगी के मामलों को अगली सुनवाई की तारीख क्रमशः 5 नवंबर और 20 नवंबर तय की है। इससे पहले 8 अक्टूबर को आईसीटी-1 ने इन मामलों में 32 आरोपितों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किए थे। इनमें से 25 सेवारत और सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारी हैं। इन आरोपितों में अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना, पूर्व गृहमंत्री असदुज्जमा खान कमाल और तीन पूर्व महानिदेशक शामिल हैं।



न्यूज़ ब्रीफ

पुतिन के साथ ट्रंप की दूसरी शिखर वार्ता फिलहाल नहीं होगी



वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ दूसरी शिखर वार्ता फिलहाल नहीं होगी। यह वार्ता बुडोपेस्ट में प्रस्तावित थी। एक प्रशासनिक अधिकारी ने मंगलवार को कहा कि दोनों नेताओं के बीच निकट भविष्य में शिखर सम्मेलन की कोई योजना नहीं है। यह बदलाव ट्रंप की गुरुवार को एक फोन कॉल के बाद दिए गए बयान के बाद हुआ है। ट्रंप ने कहा था कि वह दोनों दो सप्ताह के भीतर मिलेंगे। रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि वह नहीं चाहते कि यह मुलाकात समय की बर्बादी हो। हालांकि उन्होंने संकेत दिया कि वह रूसी नेता से अभी भी मिल सकते हैं, लेकिन उन्होंने संकेत दिया कि यह अब उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता नहीं है। राष्ट्रपति ने संवाददाताओं से कहा, हम आगे दो दिनों में आपको सूचित करेंगे कि हम क्या कर रहे हैं। ट्रंप ने पिछले गुरुवार को कहा था कि अमेरिका और रूस इस बात पर सहमत हुए हैं कि अगले सप्ताह हमारे उच्च स्तरीय सलाहकारों की बैठक होगी। इसके बाद अधिकारियों ने उम्मीद जताई थी कि विदेशमंत्री मार्को रुबियो अपने रूसी समकक्ष सर्गेई लावरोव से मिलकर ट्रंप-पुतिन शिखर सम्मेलन की नींव रखेंगे। अधिकारियों ने बताया कि राजनयिक संपर्क भी अब नहीं हो रहा है। एक सूत्र ने बताया कि रुबियो और लावरोव की यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के संभावित अंत को लेकर अलग-अलग उम्मीदें थीं। रुबियो और लावरोव ने सोमवार को फोन पर बात की। प्रशासनिक अधिकारी ने मंगलवार को कहा कि रुबियो और लावरोव के बीच बातचीत सार्थक रही। इसलिए, दोनों के बीच आमने-सामने की मुलाकात जरूरी नहीं है। राष्ट्रपति ट्रंप की निकट भविष्य में पुतिन से मुलाकात की कोई योजना नहीं है।

क्रेटा में पुलिस और सीटीडी का वकील के घर छाप, भाई को उठा ले गए, बार एसोसिएशन ने दी सरकार को चेतावनी

क्रेटा (बलोचिस्तान) पाकिस्तान। बलोचिस्तान की राजधानी क्रेटा में पुलिस और काउंटर टेररिज्म डिपार्टमेंट



(सीटीडी) की ज्यादाती के खिलाफ वकील आंदोलन पर उतर आए हैं। क्रेटा बार एसोसिएशन ने सरकार को चेतावनी देते हुए वकील फरहान सासोली के घर से उनके भाई को उठा ले जाने के विरोध में आंदोलन की चेतावनी दी है। रिपोर्ट के अनुसार, क्रेटा बार एसोसिएशन के अध्यक्ष कारी रहमतुल्लाह एडवोकेट ने वकील फरहान सासोली के घर पर पुलिस और सीटीडी के छापे को असंवैधानिक बताते हुए उनके भाई नौमान को उठा ले जाने की निंदा की है। उन्होंने कहा कि बार ऐसी घटनाओं को स्वीकार नहीं करेगा। अदालतों का शांतिपूर्ण तरीके से बहिष्कार शुरू कर दिया गया है। उन्होंने यह बात क्रेटा कचहरी के बार रूम में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कही। उन्होंने कहा कि यह सीबी-सीएस अपहरण की घटना है। उन्होंने कहा कि जैसे ही हमें इसकी जानकारी मिली, हमने अदालतों का बहिष्कार कर दिया। जब तक उनके भाई को छोड़ा नहीं जाता तब तक अदालतों का बहिष्कार जारी रहेगा। कारी ने कहा कि पूरे बलोचिस्तान में अदालतों का बहिष्कार करने की रणनीति तैयार की गई है। उन्होंने कहा कि हर नागरिक की तरह विरोध प्रदर्शन करना हमारा अधिकार है। जहां भी मानवाधिकारों का उल्लंघन होगा, हम आवाज बुलंद करेंगे। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान में काउंटर टेररिज्म डिपार्टमेंट खुफिया और आतंकवाद विरोधी विभाग है। यह मुल्क की प्रांतीय पुलिस सेवाओं का हिस्सा है। इसका गठन विभिन्न प्रकार के आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए किया गया है।

स्लोवाक प्रधानमंत्री फिको पर हमला करने वाले को 21 साल की सजा

बांस्का बिस्त्रिका (स्लोवाकिया)। स्लोवाकिया की एक अदालत ने मंगलवार को प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको पर गोली चलाने वाले आरोपित जुराज सिंटुला को आतंकवाद का दोषी करार देते हुए 21 साल की जेल की सजा सुनाई। 72 वर्षीय सिंटुला ने मई 2024 में हंडलोवा शहर में फिको पर करीब एक मीटर की दूरी से पांच गोलियों चलाई थीं, जिनमें चार फिको को लगीं। फिको को पेट, कूल्हे, हाथ और पैर में गंभीर चोटें आई थीं। अदालत में सिंटुला ने माना कि उसने गोली चलाई, लेकिन उसका उद्देश्य फिको को मारना नहीं, बल्कि उनकी नीतियों को रोकना था। उसने अदालत के बाहर कहा कि वह फैसले के खिलाफ अपील करेगा, क्योंकि यह अन्यायपूर्ण है। इस हमले ने स्लोवाक समाज में गहरी राजनीतिक विभाजन रेखा उजागर कर दी। फिको ने अपने विरोधियों पर नफरत फैलाने का आरोप लगाते हुए कहा कि ऐसी बयानबाजी भविष्य में और हिंसा को जन्म दे सकती है। फिको 2023 में सत्ता में लौटे थे और उन्होंने यूक्रेन को सैन्य सहायता समाप्त करने, मीडिया सुधार और अपराधिक कानून में बदलाव जैसे विवादास्पद फैसले लिए थे।

इजराइल ने किया हमारा-अल जजीरा गठजोड़ का खुलासा, कहा-आतंकवाद का प्रचार पत्रकारिता नहीं

तेल अवीव, 22 अक्टूबर (एजेंसियाँ)।

इजराइल ने कतर से संचालित अंतरराष्ट्रीय टीवी चैनल अल जजीरा और आतंकवादी समूह हमारास के गठजोड़ का खुलासा करते हुए आरोप लगाया है कि चैनल खासतौर पर गाजा पट्टी में युद्ध के दौरान हमारास के दुष्प्रचार का माध्यम बना और उसके आतंकियों को मनोवैज्ञानिक संबल देता रहा। अल जजीरा के लिए काम करने वालों में हमारास के आतंकी और रॉकेट लॉन्चर बनाने वाले तक शामिल रहे। इसे किसी भी तरह से ईमानदार और तटस्थ पत्रकारिता नहीं कहा जा सकता।

इजराइल के मीर अमेद खुफिया और आतंकवाद सूचना केंद्र (इजराइली खुफिया विरासत और स्मारक केंद्र) ने साक्ष्यों के साथ 20 अक्टूबर को एक वृत्तचित्र में दोनों के संबंधों और सहयोग का पर्दाफाश करते हुए संगीन आरोप जड़े हैं। इजराइल सरकार के एक्स पर आधिकारिक एकाउंट पर एक पोस्ट में यह जानकारी 21 अक्टूबर को साझा की गई। वृत्तचित्र में बताया गया है कि 1996 में स्थापित अल जजीरा कतर के शासक का चैनल है। सुनद रहे, इंटरनेट पर यह तथ्य सार्वजनिक है कि इसकी स्थापना पहली नवंबर, 1996 को कतर के तत्कालीन अमीर शेख हमद बिन खलीफा अल थानी ने की थी।

इस वृत्तचित्र में आरोप लगाया गया है कि कतर के शाही परिवार के नियंत्रण में संचालित अल जजीरा नेटवर्क बेशक अरब जगत के सबसे प्रमुख मीडिया संस्थानों में से एक है। मगर इसने वर्षों से इसने हमारास और कट्टरपंथी सुन्नी इस्लाम के एजेंडे को बढ़ावा दिया है। गाजा पट्टी में युद्ध के दौरान इस चैनल ने हमारास के राजनीतिक और सैन्य नेतृत्व के संदेशों का प्रसारण किया। बंधकों के वीडियो, उनकी रिहाई के समारोहों का विशेष



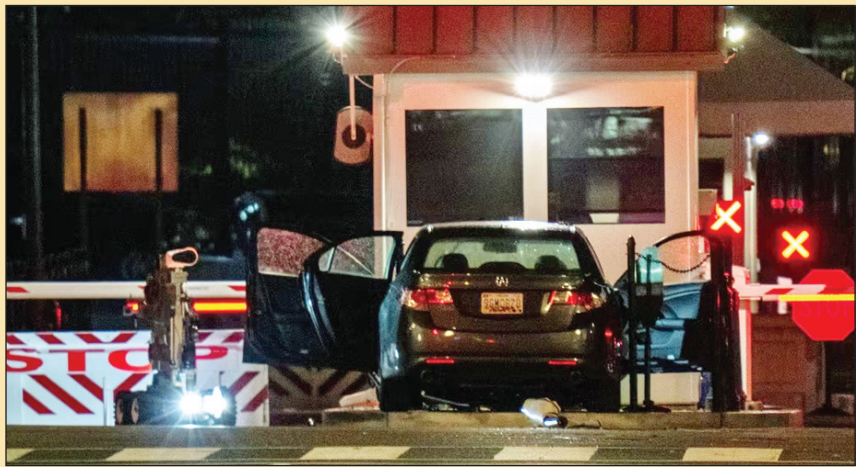
प्रसारण किया। गाजा पट्टी में इजराइल डिफेंस फोर्स (आईडीएफ) पर हमला करने वाले हमारास के आतंकवादियों की तस्वीरें दिखाकर आतंकी संगठन और उसके लड़ाकों को मनोवैज्ञानिक संबल प्रदान कर युद्ध लड़ने के लिए प्रेरित किया। नेटवर्क ने इस दौरान गाजा पट्टी में हमारास विरोधी प्रदर्शनों को नजरअंदाज किया।

मीर अमेद खुफिया और आतंकवाद सूचना केंद्र ने दावा किया कि आईडीएफ के गाजा पट्टी से लाए गए हमारास के दस्तावेजों में संबंधों का जिक्र है। दस्तावेजों के अनुसार हमारास और अल जजीरा के बीच सहयोग और मीडिया समन्वय न तो यादृच्छिक (बेतरतीब) था और न ही अलग-थलग। वह व्यवस्थित, संगठित और लगातार रहा। इन दस्तावेजों से पता चला कि हमारास ने आंदोलन से संबंधित मुद्दों पर नेटवर्क की संपादकीय नीति को प्रभावित करने के लिए कवरेज दिशा-निर्देशों को अपने हाथ में लिया।

आंदोलन के सैन्य आपातकालीन संचालन कक्ष और अल जजीरा के बीच एक सुरक्षित टेलीफोन लाइन स्थापित की।

इन दस्तावेजों से पता चला है कि गाजा पट्टी में अल जजीरा के लिए काम करने वाले कई पत्रकार हमारास की सैन्य शाखा में भी सक्रिय थे। उनमें से कुछ तो इजराइल में हुए सात अक्टूबर, 2023 के हमले और नरसंहार में शामिल थे। इसके अलावा चैनल ने युद्ध के दौरान इजराइल की लगभग हर कार्रवाई को गलत ठहराने की कोशिश की। इजराइली सैनिकों को मनोवैज्ञानिक रूप से कमजोर करने की कोशिश की। यही नहीं युद्धविराम समझौते की घोषणा के बाद भी अल जजीरा हमारास और उसके संदेशों को कोशिश की। इजराइली सैनिकों को कमजोर करने की कोशिश की। यही नहीं युद्धविराम समझौते की घोषणा के बाद भी अल जजीरा हमारास और उसके संदेशों को कोशिश की। इजराइली सैनिकों को कमजोर करने की कोशिश की। यही नहीं युद्धविराम समझौते की घोषणा के बाद भी अल जजीरा हमारास और उसके संदेशों को कोशिश की।

अमेरिका में व्हाइट हाउस के पास सुरक्षा द्वार पर कार घुसा दी, गिरफ्तार



वाशिंगटन। संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक निवास व्हाइट हाउस के पास एक सुरक्षा द्वार पर कार घुसाने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। यह वाक्या मंगलवार रात का है। अमेरिकी सीक्रेट सर्विस के अधिकारी इस घटना की जांच कर रहे हैं। दक्षिण-पश्चिम में 17वीं और ई स्ट्रीट स्थित सुरक्षा द्वार पर हुई इस वारदात से सुरक्षा अधिकारी अचरज में हैं। रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी सीक्रेट सर्विस ने बताया कि मंगलवार रात व्हाइट हाउस के पास एक सुरक्षा द्वार पर कार घुसाने वाले व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया है। यह घटना रात लगभग 10:37 बजे व्हाइट हाउस के दक्षिण-पश्चिम में 17वीं और ई स्ट्रीट स्थित एक सुरक्षा द्वार पर हुई। सीक्रेट सर्विस ने एक बयान में कहा, अमेरिकी सीक्रेट सर्विस के अधिकारियों ने आरोपित व्यक्ति को बिना मौका गंवाए गिरफ्तार कर लिया। सीक्रेट सर्विस और मेट्रोपॉलिटन पुलिस विभाग ने गाड़ी की जांच की। जांच में कार को सुरक्षित पाया। जाँच पूरी होने पर अतिरिक्त जानकारी दी जाएगी।

प्रधानमंत्री का राजनीतिक दल प्रतिनिधियों से संवाद, चुनाव से पहले सुरक्षा सुनिश्चित करने का आग्रह

काठमांडू, 22 अक्टूबर (एजेंसियाँ)।

प्रधानमंत्री शुशीला कार्की ने अगले साल 5 मार्च को होने वाले प्रतिनिधि सभा चुनाव पर चर्चा के लिए मंगलवार को प्रमुख राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। चुनाव की तारीख घोषित होने के लगभग डेढ़ महीने बाद प्रधानमंत्री कार्की की पार्टी प्रतिनिधियों के साथ यह पहली औपचारिक बातचीत थी। सरकार की ओर से वित्त मंत्री रामेश्वर खनाल, ऊर्जा मंत्री कुलमन चिसिंग, गृह मंत्री ओम प्रकाश आर्यल, कृषि मंत्री मदन परियार, संचार मंत्री जगदीश खरेल और मुख्य सलाहकार अजय भद्र खनाल चर्चा में शामिल हुए। राजनीतिक दलों के साथ बैठक के दौरान प्रधानमंत्री कार्की ने कहा कि सरकार समय पर भय मुक्त वातावरण में चुनाव करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा उनकी कैबिनेट के सभी मंत्री, सुरक्षा एजेंसियाँ और पूरा सरकारी तंत्र सभी इसके लिए लगातार काम कर रहे हैं। राजनीतिक दलों के साथ बातचीत में हुई देरी के बारे में



प्रधानमंत्री कार्की ने कहा कि घायलों के इलाज, शहीदों के शवों के प्रबंधन, परिवारों के लिए राहत और आंदोलनकारियों की चिंताओं को सुनने पर ध्यान केंद्रित करना था इसलिए राजनीतिक दलों से वार्ता में कुछ समय लग गया। प्रधानमंत्री कार्की ने कहा कि राष्ट्रपति ने अब बातचीत के द्वार खोल दिए हैं। यह जेनजेड और राजनीतिक दलों के लिए एक साथ बैठने, स्थिति को सामान्य करने और चुनावों की ओर बढ़ने का समय है।

उन्होंने कहा कि सरकार अब निरंतर इलाज, शहीदों के शवों के प्रबंधन, परिवारों के लिए राहत और आंदोलनकारियों की चिंताओं को सुनने पर ध्यान केंद्रित करना था इसलिए राजनीतिक दलों से वार्ता में कुछ समय लग गया। प्रधानमंत्री कार्की ने कहा कि राष्ट्रपति ने अब बातचीत के द्वार खोल दिए हैं। यह जेनजेड और राजनीतिक दलों के लिए एक साथ बैठने, स्थिति को सामान्य करने और चुनावों की ओर बढ़ने का समय है।

को दूर करने के लिए तैयार है। इस बैठक में नेपाली कांग्रेस महासचिव गगन थापा और प्रवक्ता डॉ. प्रकाश शरण महत, यू.एम.एल. महासचिव शंकर पोखरेल और उप महासचिव प्रदीप ज्ञवाली और वर्षमान पुन से भाग लिया। इसी तरह राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के उपाध्यक्ष डॉ. स्वर्णिम वाग्ल और सचिवालय की सदस्य सोबिता गौतम, राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी के महासचिव राजेंद्र गुरुंग और प्रवक्ता मोहन श्रेष्ठ, जनता समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष उपेंद्र यादव और प्रकाश अधिकारी, लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी के संसदीय दल के नेता सर्वेन्द्र नाथ शुक्ला, नागरिक उन्मुक्ति पार्टी के अध्यक्ष रेशम चौधरी और नेपाल मजदूर किसान पार्टी के प्रेम सुवाल भी उपस्थित थे। जनमत पार्टी के महासचिव चंदन कुमार सिंह ने प्रतिनिधित्व किया, जबकि एकीकृत समाजवादी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेंद्र पांडे और उपाध्यक्ष प्रकाश ज्वाला ने उनके पक्ष से भाग लिया।

एफ-1 से एच-1बी वीजा श्रेणी में स्विच कर रहे छात्रों को नहीं देना होगा भारी शुल्क



वाशिंगटन, 22 अक्टूबर (एजेंसियाँ)।

विदेशी पेशेवरों को बड़ी राहत देते हुए अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग ने एच-1बी वीजा की एकए लाख डॉलर आवेदन फीस पर नया आदेश जारी किया है। इसमें कई छूटें और अपवाद शामिल किए गए हैं। नए दिशा-निर्देशों के मुताबिक जो लोग एफ-1 (छात्र) वीजा से एच-1बी वीजा श्रेणी में स्विच कर रहे हैं, उन्हें यह भारी शुल्क नहीं देना होगा। इसी तरह अमेरिका के अंदर रहकर वीजा में संशोधन, स्थिति परिवर्तन या अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करने वाले एच-1बी वीजा धारकों पर भी यह शुल्क लागू नहीं होगा। इसके अलावा मौजूदा एच-1बी वीजा धारकों को देश में आने-जाने पर किसी तरह की रोक नहीं होगी। यह शुल्क केवल उन नए आवेदकों पर लागू होगा जो अमेरिका के बाहर हैं और जिनके पास मान्य एच-1बी वीजा धारकों में भ्रम और प्रक्रिया के लिए ऑनलाइन भुगतान लिंक भी जारी किया गया है।

रिपोर्ट के मुताबिक यह स्पष्टीकरण ऐसे समय आया है जब अमेरिकी वाणिज्य मंडल ने इस फैसले के खिलाफ ट्रंप प्रशासन पर मुकदमा दायर किया है। संगठन ने इस फीस को गैरकानूनी बताते हुए

व्हाइट हाउस ने कहा-यह शुल्क नए वीजा आवेदनों पर लगेगा, न कि नवीनीकरण पर

कहा कि इससे अमेरिकी व्यवसायों पर गंभीर आर्थिक असर पड़ेगा और कंपनियों को या तो अपने श्रम खर्च में भारी बढ़ोतरी करनी पड़ेगी या फिर कुशल विदेशी कर्मचारियों की भर्ती कम करनी होगी।

ट्रंप प्रशासन के खिलाफ यह दूसरी बड़ी कानूनी चुनौती है। इससे पहले, श्रमिक संघों, शिक्षा विशेषज्ञों और धार्मिक संस्थाओं के समूह ने भी मुकदमा दायर किया था। ट्रंप ने 19 सितंबर को हस्ताक्षरित इस घोषणा पर कहा था कि इसका उद्देश्य अमेरिकी नागरिकों को रोजगार का प्रोत्साहन देना है। इस फैसले से मौजूदा वीजा धारकों में भ्रम की स्थिति पैदा हो गई थी कि क्या वे अमेरिका लौट पाएंगे या नहीं।

व्हाइट हाउस ने सोमवार को कहा था कि यह एक बार लिया जाने वाला शुल्क है, जो केवल नए वीजा आवेदनों पर लागू होगा, न कि नवीनीकरण या मौजूदा वीजा धारकों पर।

बलोच नेशनल मूवमेंट ने पाकिस्तान को बताया आतंकी मुल्क, अमेरिका में व्हाइट हाउस के सामने बांटे पर्चे

क्रेटा/वाशिंगटन, 22 अक्टूबर (एजेंसियाँ)।

बलोच नेशनल मूवमेंट (बीएनएम) ने मीडिया को जारी बयान में कहा है कि संयुक्त राज्य अमेरिका में व्हाइट हाउस के सामने जागरूकता अभियान आयोजित किया गया। कार्यकर्ताओं ने बलोचिस्तान के झारी क्षेत्र में मानवाधिकारों के उल्लंघन और वर्तमान स्थिति उजागर करने वाले पर्चे वितरित किए। इस अभियान का नेतृत्व बीएनएम अमेरिका के अध्यक्ष सामी बलोच ने किया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान एक आतंकवादी देश है जो बलोच देश है। झारी क्षेत्र में सेना लगातार आम लोगों पर जुल्म-ओ-सितम छा रही है।

रिपोर्ट के अनुसार, सामी बलोच ने कहा कि बलोचिस्तान में मानवीय संकट बढ़ता जा रहा है। यूक्रेनी कार्यकर्ताओं ने बलोच लोगों के साथ एकजुटता व्यक्त की



और दुनिया भर में स्वतंत्रता और न्याय के संघर्ष पर अपने विचार साझा किए। पर्चे में भी कहा गया कि पाकिस्तान एक आतंकवादी देश है जो बलोच और अन्य उत्पीड़ित लोगों के संसाधनों का दोहन करता है। बीएनएम के पर्चे में दावा किया गया है कि पाकिस्तानी सेना लगातार बल प्रयोग कर रही है। सितंबर 2025 के मध्य में

पाकिस्तानी सेना ने जहरी के बलोच क्षेत्र में बड़े पैमाने पर सैन्य अभियान चलाया। इस दौरान बेगुनाह नागरिकों के खिलाफ हिंसा, जबरन बेदखली जैसे अनैतिक कृत्य किए गए। ऐसे अभियानों का उद्देश्य स्थानीय राजनीतिक और सामाजिक नेताओं को दबाना और लोगों के प्रतिरोध को खत्म करना है।

पर्चे में कुछ घटनाओं का भी उल्लेख किया गया है। मसलन- 17 सितंबर, 2025 को जहरी में एक झेन हमले में कई लोग मारे गए। मृतकों में सनाउल्लाह, अमना, अली अकबर, लाल बीबी, मोहम्मद हसन और मोहम्मद याकूब शामिल हैं। पांच अक्टूबर, 2025 को पंजाब प्रांत की सेना ने जहरी के मोला चारी क्षेत्र में हेलीकॉप्टरों से गोलीबारी और बमबारी की। इस घटना में बड़ी संख्या में नागरिक और बच्चे मारे गए।



डीसीबी बैंक के शेयरर्स ने एक ही दिन में इंट्रा-डे ट्रेडिंग में लगाई 15 फीसदी की छलांग

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)।

प्राइवेट बैंक डीसीबी बैंक के शेयरर्स एक ही दिन में इंट्रा-डे ट्रेडिंग में 15 फीसदी से ज्यादा की छलांग लगा चुके हैं। ये चार साल में इस बैंक के शेयरों की सबसे तेज बढ़त रही, अप्रैल 2022 के बाद पहली बार ऐसी तेजी आई। बैंक ने सितंबर तिमाही यानी जुलाई से सितंबर 2025 के नतीजे जारी किए थे, जो उम्मीद से कहीं बेहतर निकले। बीएसई पर इंट्रा-डे में ये 148.90 रुपए तक पहुंच गए हैं

यानी 15.61 फीसदी का उछाल। कुछ लोग प्रॉफिट बुक करके उतर गए, लेकिन दिन के अंत में भी 12.23 फीसदी की बढ़त के साथ 144.55 रुपए पर बंद हुए। डीसीबी बैंक की ब्याज से नेट इनकम, जो एनआईआई कहते हैं, साल भर पहले की तुलना में 17 फीसदी बढ़कर 509 करोड़ से 596 करोड़ रुपए हो गई। नेट प्रॉफिट भी 19 फीसदी चढ़कर 184 करोड़ रुपए पहुंच गया। पिछली तिमाही से तुलना करें तो प्रोविजन्स आधी रह गई,

मतलब बैंक को कम रिजर्व रखने पड़े। सबसे अच्छी बात, नेट इंटेरेस्ट मार्जिन यानी एनआईएम 3 बेसिस प्वाइंट्स बढ़कर 3.23 फीसदी हो गया। आरबीआई ने रेपो रेट काटा था, लेकिन फिर भी मार्जिन मजबूत रहा। बैंक का प्लान है इसे 3.5 से 3.65 फीसदी तक ले जाना। शेयरों के उछाल की दो बड़ी वजहें रहीं। पहली तो क्रेडिट कॉस्ट का गिरना, जो पिछली तिमाही के 0.59 फीसदी से घटकर 0.31 फीसदी रहा। ये

बैंक के लिए राहत की सांस है, क्योंकि कम कॉस्ट मतलब ज्यादा प्रॉफिट। दूसरी बैंक ने आगे की क्रेडिट कॉस्ट को 45 से 55 बेसिस प्वाइंट्स तक सीमित रखने का लक्ष्य रखा। ये सुनकर निवेशकों का भरोसा और बढ़ गया। वैसे एक साल पहले मार्च 2025 में ये शेयर 101.35 रुपए के निचले स्तर पर था, लेकिन तीन महीने में ही 48.69 फीसदी चढ़कर जून 2025 में 150.70 रुपए के हाई पर पहुंच गया।

न्यूज़ ड्रीफ़

होंडा एक्टिवा 125 को मिल रही टीवीएस की नई जुपिटर 125 से टक्कर



नई दिल्ली। होंडा एक्टिवा 125 को अब टीवीएस की नई जुपिटर 125 से कड़ी टक्कर मिल रही है। इंजन के लिहाज से दोनों के बीच कांटे की टक्कर है। दोनों कंपनियां इस प्रीमियम स्कूटर सेगमेंट में ग्राहकों को फीचर्स, परफॉर्मेंस और वैल्यू के लिहाज से आकर्षित करने में कोई कसर नहीं छोड़ रही हैं। एक्टिवा 125 में 123.92सीसी का इंजन है जो 8.3 बीएचपी की पावर और 10.5 एनएम टॉर्क देता है, जबकि जुपिटर 125 का 124.8सीसी इंजन 8.4 बीएचपी पावर और 11.1 एनएम टॉर्क उत्पन्न करता है। माइलेज के मामले में जुपिटर आगे है, जो 57.27 कएमपीएल तक का औसत देती है, जबकि एक्टिवा लगभग 47 कएमपीएल तक का दावा करती है। राइडिंग कम्फर्ट में भी जुपिटर का पलड़ा भारी है। इसका क्लीबसे और सीट लंबाई एक्टिवा से ज्यादा है, जिससे लंबे सफर में आरामवयक अनुभव मिलता है। दोनों स्कूटरों की सीट हाइट 765 एमएम है, जिससे ये हर उम्र और कद के राइडर्स के लिए उपयुक्त हैं। फीचर्स की बात करें तो एक्टिवा 125 में होंडा रोड सिंक एप, डिजिटल इस्ट्रुमेंट क्लस्टर और स्मार्ट की टेक्नोलॉजी जैसे फीचर्स हैं। वहीं जुपिटर 125 इस मामले में आगे आगे है, जिसमें वॉइस असिस्ट, कनेक्टेड फीचर्स, 33 लीटर अंडरसीट स्टोरेज, फॉलो मी हेडलाइट और सोशल मीडिया अलर्ट जैसी आधुनिक सुविधाएं दी गई हैं। कीमत के लिहाज से एक्टिवा 125 के दो वैरिएंट्स की कीमत रुपए 99,674 (एक्स-शोरूम) तक जाती है, जबकि जुपिटर 125 चार वैरिएंट्स में रुपए 80,740 से रुपए 92,001 तक उपलब्ध है।

आईफोन 17 की मजबूत बिक्री से एप्पल का मार्केट कैप 4 ट्रिलियन के करीब

नई दिल्ली। आईफोन 17 सीरीज की मजबूत बिक्री के कारण दिग्गज टेक कंपनी एप्पल का मार्केट कैप 4 ट्रिलियन डॉलर के पास पहुंच गया है और यह एनवीडिया के बाद दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी कंपनी बन गई है।

एप्पल का शेयर आखिरी कारोबारी सत्र में 3.94 फीसदी की तेजी के साथ 262.24 डॉलर पर बंद हुआ, जिससे कंपनी का मार्केट कैप 3.9 ट्रिलियन डॉलर पर पहुंच गया। फिलहाल ग्राफिक्स चिप्स बनाने वाली कंपनी एनवीडिया 4.44 ट्रिलियन डॉलर की मार्केट कैप के साथ दुनिया की सबसे बड़ी कंपनी है। आंकड़ों से पता चला है कि आईफोन 17 सीरीज ने वैश्विक स्तर पर, खासकर चीन और अमेरिका जैसे प्रमुख बाजारों में, शुद्धआती बिक्री में अपने पहले के मॉडल से बेहतर प्रदर्शन किया है। एप्पल 30 अक्टूबर को अपनी तिमाही आय की रिपोर्ट करेगा और शेयर का अच्छा प्रदर्शन निवेशकों के उत्साह को दिखाता है। बिक्रीताओं और उद्योग विश्लेषकों के मुताबिक मेक इन इंडिया पहल को बढ़ावा देते हुए, आईफोन 17 मॉडल भारत में पिछले साल की आईफोन 16 सीरीज की तुलना में ज्यादा लोकप्रिय हो रहे हैं। टेक दिग्गज ने भारत में त्योहारों पर अपनी सबसे ज्यादा बिक्री दर्ज की है। विश्लेषकों ने आईफोन 17 सीरीज की सफलता के चलते 2025 में बिक्री में 28 फीसदी की सालाना वृद्धि का अनुमान लगाया है। पिछले वित्त वर्ष में एप्पल की वार्षिक बिक्री करीब 9 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई थी।

नई वर्सिन 1100 रुपए 13.89 लाख की कीमत पर लॉन्च



नई दिल्ली। बाइक निर्माता कंपनी कावासाकी ने अपनी नई वर्सिन 1100 को रुपए 13.89 लाख (एक्स-शोरूम) की कीमत पर लॉन्च किया है। कंपनी ने इसमें 1,099सीसी इनलाइन 4-सिलेंडर लिक्विड-कूल्ड इंजन दिया है, जो 133 हॉर्सपावर और 112 एनएम टॉर्क पैदा करता है। इंजन के साथ 6-स्पीड गियरबॉक्स और रिटर्न-शिफ्ट ट्रांसमिशन है, जो राइड को स्मूद और कंट्रोल्ड बनाता है। वर्सिन 1100 में कर्टीआरसी, केसीएमएफ और केआईबीएस जैसी एडवांस तकनीकें दी गई हैं, जिससे भारतीय सड़कों पर इसका बैलेंस और सेफ्टी और बेहतर हो जाती है। कंपनी ने श्वेत को फ्यूल एफिशिएंसी के लिए भी ऑप्टिमाइज किया है। डिजाइन की बात करें तो नई वर्स में पुराने मॉडल की झलक है, लेकिन इसे ज्यादा प्रीमियम टच दिया गया है। चौड़ी सीट, एडजस्टेबल विंडस्क्रीन, ऊंचा हेडलाइट और 21 लीटर का फ्यूल टैंक इसे लंबी यात्राओं के लिए आदर्श बनाते हैं।

बिजनेस

बांग्लादेशी सेना की...

यह एक नए इस्लामवादी नैरेटिव में पाकिस्तान समर्थक सहयोगियों को स्वतंत्रता सेनानी के रूप में पुनः स्थापित करने का प्रयास है।

इस्लामिक रिवाल्व्यूशनरी आर्मी के बीज अक्टूबर के खुलासे से बहुत पहले ही बो दिए गए थे। दिसंबर 2024 में भेदभाव-विरोधी छात्र आंदोलन नामक एक कट्टरपंथी समूह जो मुहम्मद यूनस के वफादार छात्रों से बना था, उसने सार्वजनिक रूप से इस्लामिक रिवाल्व्यूशनरी आर्मी नाम से ही मिलिशिया शुरू करने की घोषणा की थी। उसने युवाओं से 20 दिसंबर को सुबह 8 बजे ढाका विश्वविद्यालय में नामांकन के लिए इकट्ठा होने का आह्वान किया था। जिसमें तीन दिवसीय मार्शल आर्ट सत्र के आयोजन और दूसरे हिस्से में सेना और अर्धसैनिक बलों द्वारा संचालित एक महीने की ट्रेनिंग देने की योजना थी। इस आंदोलन को बराक ओबामा, बिल और हिलेरी क्लिंटन और जॉर्ज सोरोस सहित पश्चिमी लिबरल वित्तपोषकों द्वारा भारी मात्रा में धन दिया गया।

बांग्लादेशी खुफिया एजेंसियों की जांच से विदेशी समन्वय का एक स्पष्ट पैटर्न सामने आया। नवंबर 2024 में पाकिस्तान के विशेष सेवा समूह (एसएसजी) के कम से कम पांच अधिकारी दुबई और कतर होते हुए आईआरए केडरों को प्रशिक्षित करने के लिए गुप्त रूप से ढाका में दाखिल हुए। पाकिस्तान की एसएसजी पूरे एशिया में गैर-सरकारी आतंकवादी समूहों को गुप्त प्रशिक्षण देने के लिए कुख्यात है। खुफिया रिपोर्टों से पता चलता है कि इन गुप्तों ने यूनस समर्थक तत्वों और इस्लामी छात्र नेताओं के साथ संयुक्त सत्र आयोजित किए और उन्हें गुरिद्धा युद्ध, निगरानी और तोड़फोड़ का प्रशिक्षण दिया। तुर्की का एमआईटी ने भी एक सक्रिय सलाहकार की भूमिका निभाई। यूनस के राजनीतिक उदय के बाद से ढाका और चटगांव में कई तुर्की सांस्कृतिक आदान-प्रदान और शैक्षिक सहयोग कार्यक्रमों का चुपचाप विस्तार हुआ है। इन कार्यक्रमों ने एमआईटी द्वारा किए जाने वाली भर्तियों और लॉजिस्टिक सप्लाई के काम को छिपाने के लिए पर्दे का काम किया। ढाका में आईएसआई और एमआईटी के बीच समन्वय एक गहन रणनीतिक एजेंडे की ओर इशारा कर रहा है जो ईरान के आईआरजीसी की तर्ज पर मिलिशिया के निर्माण में और पूरे क्षेत्र में इस्लामी शक्ति को प्रदर्शित करने के तिकड़म में लगा है।

पाकिस्तानी एसएसजी पहले से ही हिज्ब-उत-तहरीर (एचयूटी) और बांग्लादेश में रह रहे बिहारी मुस्लिम समुदाय के 300 गुप्तों को प्रशिक्षित कर रहा था। यह प्रशिक्षण पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में हुआ जो कट्टरपंथी उग्रवाद का एक जाना-माना केंद्र है। भारत और नेपाल के रास्ते छोटे-छोटे समूहों में लाए गए इन गुप्तों को असममित युद्ध, शहरी तोड़फोड़ और घुसपैठ की रणनीति में प्रशिक्षित किया गया था। अब वे नए इस्लामिक रिवाल्व्यूशनरी आर्मी ढांचे में एकीकृत होते दिख रहे हैं। जो इस्लामी विचारधारा, पाकिस्तान के प्रति प्रवासी निष्ठा और यूनस के राजनीतिक संरक्षण को जोड़ता है।

हथियारों की तस्करी के सबूत इस साजिश के वैचारिक और प्रशिक्षण आयामों को पुष्ट करते हैं। पिछले साल पाकिस्तान की सत्तारूढ़ मुस्लिम लीग-नवाज (पीएफएल-एन) के एक वरिष्ठ नेता इरशाद अहमद खान ने सार्वजनिक तौर पर स्वीकार किया था कि पाकिस्तान कराची बंदरगाह के रास्ते वाणिज्यिक वस्तुओं में छिपाकर हथियार बांग्लादेश भेज रहा है। बांग्लादेशी खुफिया एजेंसियों को कृषि मशीनरी, स्पेयर पार्ट्स और रसायनों की खेपों पर नजर रखने से रोक दिया गया था जिनमें से कई कराची से जुड़ी निजी कार्गो लाइनों के जरिए भेजी जाती थीं, जिनमें हथियार के पुर्जे छिपाए जाने का संदेह था। इन हथियारों को आतंकवादी संगठनों और इस्लामी गढ़ों में वितरित किया जाता है। यह सप्लाई नेटवर्क 1980 के दशक के दौरान अफगानिस्तान में इस्तेमाल किए गए मॉडल की नकल है। नागरिक आड़ में हथियारों की तस्करी, गैर सरकारी संगठनों के माध्यम से वित्तपोषण और मदरसा नेटवर्क के माध्यम से हथियारों का वितरण। यही ढांचा अब पहले से अधिक परिष्कृत और डिजिटल समन्वय के साथ बांग्लादेश में इस्तेमाल हो रहा है।

इस्लामिक रिवाल्व्यूशनरी आर्मी के गठन का अंतिम लक्ष्य केवल आंतरिक एकीकरण नहीं है। इसका उद्देश्य बांग्लादेश को अंतरराष्ट्रीय जेहादी अभियानों के लिए एक रणनीतिक केंद्र में बदलना है। एक ऐसा अड्डा जो धर्मनिरपेक्ष विपक्ष का सफाया करते हुए पाकिस्तान के भू-राजनीतिक हितों की पूर्ति करे। यूनस शासन इस्लामी तत्वों के साथ गठजोड़ बनाकर और उन्हें जमीनी रक्षक के रूप में प्रस्तुत करके बांग्लादेशी सेना को बेअसर करना चाहता है। इससे भारत के पूर्वी हिस्से में घुसपैठ कागर तरीके से संभव होगी और बंगाल की खाड़ी में समुद्री मार्गों तक पहुंच संभव होगी। यह विदेशी प्रायोजन, क्षेत्रीय महत्वाकांक्षाओं और सांप्रदायिक मंशा से एक अर्धसैनिक आंदोलन के व्यवस्थित निर्माण का प्रतिनिधित्व करता है। यदि इस्लामिक रिवाल्व्यूशनरी आर्मी (आईएसए) अपने दावे के अनुसार अपनी सेना का एक हिस्सा भी एकजुट कर लेती है, तो परिणाम विनाशकारी होंगे। सबसे पहले बांग्लादेश का नाजुक सांप्रदायिक संतुलन बिगड़ जाएगा। धार्मिक अल्पसंख्यक हिंदू, बौद्ध और ईसाई इस्लामी उग्रवाद की एक नई लहर के तहत लक्षित उन्पीड़न का सामना करेंगे। दूसरा, सीमा पार आतंकवाद बढ़ेगा, खासकर भारत और म्यांमार के खिलाफ। आईआरए कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षित घुसपैठिए आसानी से छिद्रपूर्ण सीमाओं का फायदा उठा कर तोड़फोड़ और हत्या के अभियानों को अंजाम दे सकेंगे तीसरा, क्षेत्रीय स्थिरता को ध्वस्त करने का मौका मिलेगा जिससे भारत, नेपाल और आसियान देशों को अपने सुरक्षा सिद्धांतों पर पुनर्विचार करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। दुनिया इससे मुंह मोड़ने को जोखिम नहीं उठा सकती।

बंगाल में भी...

चुनाव आयोग ने एसआईआर के लिए अब तक 3.96 करोड़ डाटा अपलोड कर दिया। शुरुआती डाटा में लगभग 3.48 करोड़ नाम साल 2002 के एसआईआर डाटा से मेल खाते पाए गए हैं। यह कुल मतदाताओं का लगभग 44 से 45 प्रतिशत हिस्सा है जबकि राज्य में वर्तमान में कुल पंजीकृत मतदाता लगभग 7.6 करोड़ है।

कालिमपोंग, पश्चिम मेदिनीपुर, पुरुलिया, कोलकाता उत्तर, मालदा, अलीपुरदुआ, झारखाम समेत सात जिलों में किए गए शुरुआती मिलान में यह देखा गया कि 51 प्रतिशत से 65 प्रतिशत नाम 2002 के एसआईआर रिकॉर्ड से मेल खाते हैं। इसका मतलब यह है कि इन जिलों में आधे से अधिक मतदाता पुराने रिकॉर्ड से जुड़े हुए हैं। हालांकि कुछ क्षेत्रों में और सुधार की आवश्यकता हो सकती है। चुनाव आयोग ने इस डाटा को आयोग के पोर्टल पर अपलोड किया है। हालांकि जलपाईगुड़ी और दार्जिलिंग जिलों में प्राकृतिक आपदाओं के कारण इसमें देरी हुई है। इसके साथ ही बृथ स्तर पर बृथ लेवल अफसर (बीएलओ) ऐप के माध्यम से नामों की सत्यता की जांच भी की जा रही है। इस प्रक्रिया का उद्देश्य मतदाता सूची में दोहराव, फर्जी नाम और त्रुटियों की पहचान करना है ताकि आगामी विधानसभा चुनाव में मतदाता सूची पूरी तरह से अपडेट और पारदर्शी हो।

पश्चिम बंगाल में बढ़ते घुसपैठ के मामलों को देखते हुए विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) जरूरी माना जा रहा है। बंगाल में आए दिन घुसपैठ और अवैध मतदाता शामिल होने के मामले सामने आते रहते हैं। ताजा मामला 22 अक्टूबर 2025 का है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने एक बड़े रैकेट का पर्दाफाश किया, जिसमें 400 बांग्लादेशी घुसपैठियों ने फर्जी दस्तावेजों के आधार पर भारतीय पासपोर्ट बनाए थे। ऐसे कई मामले हर दूसरे दिन सामने आते हैं। बंगाल में एसआईआर प्रक्रिया का विशेष कारण यही है।

जुलाई 2025 में भी भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी ने आरोप लगाया था कि बंगाल में रोहिंया और बांग्लादेशी घुसपैठियों को निवास प्रमाण पत्र दिए जा रहे हैं, जिससे उनकी पहचान मतदाता सूची में शामिल हो रही है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बंगाल में एसआईआर प्रक्रिया का खुलकर समर्थन किया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने कहा कि एसआईआर पार्टी के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें कोई भी लापरवाही 2026 के चुनावों में नुकसान पहुंचा सकती है। सांसद और केंद्रीय मंत्री शान्तनु ठाकुर ने एसआईआर के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि इस प्रक्रिया के दौरान एक से ढ़ेर करोड़ अवैध मतदाताओं के नाम हटाए जा सकते हैं, जिनमें रोहिंया, घुसपैठिए और काल्पनिक मतदाता शामिल हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि वास्तविक शरणार्थियों को नागरिकता मिलने पर उनका मतदान का अधिकार सुरक्षित रहेगा।

भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी ने एसआईआर को आगामी चुनावों के सेमीफाइनल के रूप में बताया। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर एसआईआर समय पर पूरा नहीं हुआ तो राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू करने की नौबत आ सकती है। उनका कहना है कि इस प्रक्रिया में 2.4 करोड़ अवैध मतदाताओं के नाम हटाए जा सकते हैं, जो चुनावी निष्पक्षता के लिए बेहद जरूरी हैं। भाजपा प्रवक्ता कीया घोष ने टीएमसी के मंत्रियों के विवादस्पद बयानों की आलोचना करते हुए कहा कि वे बयान राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति को बिगाड़ सकते हैं। उनका कहना है कि एसआईआर जैसी प्रक्रिया के माध्यम से ही राज्य में अवैध मतदाता और घुसपैठियों की पहचान की जा सकती है, जिससे चुनाव निष्पक्ष और पारदर्शी होंगे।

काबुल में ...

अफगानिस्तान के रक्षा मंत्री मौलवी मोहम्मद याकूब मुजाहिद ने पाकिस्तान को लताड़ लगाई और कहा कि अफगानिस्तान और भारत के दो संप्रभु राष्ट्र जैसे संबंध हैं। अफगानिस्तान हमेशा से भारत के साथ एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में संबंध रखता है और राष्ट्रीय हितों के दायरे में इन संबंधों को मजबूत करता रहेगा। हमारा लक्ष्य रिश्तों का विस्तार करना है, तनाव पैदा करना नहीं। पाकिस्तान के आरोप निराधार, अव्यवहारिक और अस्वीकार्य हैं। अफगानिस्तान और पाकिस्तान पड़ोसी देश हैं। उनके बीच तनाव किसी के काम का नहीं। रिश्ते आपसी सम्मान और पड़ोसी सिद्धांतों पर आधारित होने चाहिए।

बंद हो गया कलकत्ता...

सीएसई के चेयरमैन दीपंकर बोस ने कहा, 25 अप्रैल 2025 को आयोजित विशेष आम सभा में शेयरधारकों से एक्सचेंज व्यवसाय से बाहर निकलने की मंजूरी प्राप्त की गई। इसके बाद सीएसई ने सेबी को बाहर निकलने के लिए आवेदन सौंपा, जिसने अब स्टॉक एक्सचेंज का मूल्यांकन करने के लिए एक वैल्यूएशन एजेंसी नियुक्त की है, जो फिलहाल प्रगति पर है। अगर सेबी सीएसई को बाहर निकलने की अनुमति दे देता है, तो सीएसई सिर्फ एक होलडिंग कंपनी के रूप में ही बनी रहेगी। इसके तहत आने वाली सहायक कंपनी सीएसई कैपिटल मार्केट्स प्राइवेट लिमिटेड अब भी नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) और बीएसई (बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज) पर कारोबार करती रहेगी। इसके अलावा, सीएसई की तीन एकड़ की ईएम बाईपास संपत्ति को सृजन ग्रुप को 253 करोड़ रुपए में बेचने की योजना को भी सेबी ने मंजूरी दे दी है। यह बिक्री तब पूरी होगी जब सीएसई का बाहर निकलना आधिकारिक रूप से पूरा हो जाएगा।

सीएसई की स्थापना 1908 में हुई थी और यह कभी बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) की प्रतियोगी थी। यह कोलकाता के वित्तीय इतिहास और लाइयन्स रेंज के हब का भी प्रतीक माना जाता था। सीएसई के लिए सबसे बड़ा झटका 2013 में आया, जब सेबी ने ट्रेडिंग रोकने का फैसला लिया। एक्सचेंज ने कई महत्वपूर्ण नियमों का उल्लंघन किया था, जिससे यह कदम उठाना पड़ा। इसके खिलाफ सीएसई ने कई बार अदालतों का रुख किया, लेकिन इसका नतीजा आर्थिक दबाव और ट्रेडिंग में गिरावट के रूप में सामने आया। यह गिरावट उस समय और भी ज्यादा महसूस हुई जब एनएसई और बीएसई पर ट्रेडिंग का बूम चल रहा था।

सीएसई के पतन के मुख्य कारणों में बीएसई और एनएसई का प्रभुत्व, प्रासंगिकता का कम होना और तकनीकी उन्नति के साथ तालमेल न बिठा पाना शामिल है। विशेष रूप से 2000 के दशक की शुरुआत में डॉट कम बूम के बाद, सीएसई तेजी से बदलती वित्तीय दुनिया में खुद को ढाल नहीं पाया और पीछे रह गया। केतन पारेख घोटाले का खुलासा 2001 में सीएसई के लिए आखिरी बड़ा झटका साबित हुआ।

पेशे से एक स्टॉक ब्रोकर पारेख ने कुछ स्टॉक्स जिन्हें के-10 स्टॉक्स कहा जाता था की कीमतें बढ़ाने के लिए एक्सचेंज की कमजोरियों का फायदा उठाया। इससे सख्त नियम लागू हुए और निवेशकों का विश्वास काफी घट गया। अंततः सीएसई का पतन इस कारण हुआ कि समय के साथ यह नियमों का पालन नहीं कर सका।

सीनियर स्टॉक ब्रोकरेर सिद्धार्थ थिरानी ने बताया, हम हर दिन ट्रेडिंग शुरू करने से पहले देवी लक्ष्मी की पूजा करते थे, यह परंपरा अप्रैल 2013 तक चली जब ट्रेडिंग को रेगुलेटर ने निर्लांबित कर दिया। इस दिवाली का मतलब हमारे उस वैभवपूर्ण समय को अलविदा कहना है। शेयरधारकों ने औपचारिक प्रस्ताव को 25 अप्रैल को मंजूरी दी, जिसे पहले 18 फरवरी को सेबी को भेजा गया था। सेबी ने इसे पूरा करने के लिए राजवंशी एंड एसोसिएट्स को नियुक्त किया है और यह प्रक्रिया बाहर निकलने की अंतिम मंजूरी की आखिरी स्टेज है। सीएसई में 1,749 सूचीबद्ध कंपनियां और 650 पंजीकृत सदस्य थे। चेयरमैन दीपंकर बोस ने वित्तीय वर्ष 2025 की रिपोर्ट में कहा कि एक्सचेंज ने भारत के पूंजी बाजारों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। 2024-2025 के दौरान उन्हें डायरेक्टर की बैठक फीस के रूप में 5.9 लाख रुपए मिले।

बाहर निकलने से पहले एक्सचेंज ने सभी कर्मचारियों को एक वॉलंटरी रिटायरमेंट स्कीम (वीआरएस) का लाभ दिया। इसके तहत कर्मचारियों को एक बार का भुगतान 20.95 करोड़ रुपए और सालाना लगभग 10 करोड़ रुपए की बचत सुनिश्चित की गई। कुछ कर्मचारियों को केवल अनुपालन कार्यों के लिए अनुबंध पर रखा गया, लेकिन सभी ने इस ऑफर को स्वीकार कर लिया। सीएसई के बाहर निकलने के साथ ही भारत के क्षेत्रीय स्टॉक एक्सचेंजों का एक युग खत्म हो रहा है। पहले ये एक्सचेंज बहुत सक्रिय थे, लेकिन इलेक्ट्रॉनिक प्लेटफॉर्म के आने के बाद बाजार का केंद्र मुंबई चला गया। सीएसई जैसी संस्थाएं आज भी वित्तीय इतिहास की पहचान हैं, जो भारत के पूंजी बाजारों के विकास, तकनीकी आधुनिकीकरण और नियमों के सुदृढ़ीकरण का प्रतीक हैं।

पीएमश्री योजना में ...

कुल 14,500 स्कूलों को टारगेट किया गया है, हर जिले के हर ब्लॉक में कम से कम दो स्कूल। ये स्कूल बाकी सरकारी स्कूलों के लिए लीडरशिप रोल निभाएंगे, यानि ये मिसाल बनेंगे कि अच्छी शिक्षा कैसे दी जा सकती है।

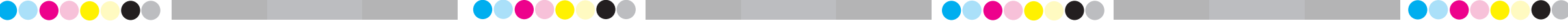
योजना का कोर कनेक्शन है राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 से। पीएमश्री स्कूल्स एनईपी के हर लक्ष्य को शोकेस करेंगे। इसकी फंडिंग का मॉडल साफ है कि केंद्र 60 प्रतिशत पैसा देगा और राज्य 40 प्रतिशत वहन करेगा। हर चुने गए स्कूल को 5 साल के लिए औसतन 1 करोड़ रुपए सालाना मिलेंगे। कुल बजट करीब 27,000 करोड़ रुपए का होगा। केरल का पीएमश्री योजना में शामिल होना केंद्र सरकार की दूरदर्शी नीति की जीत है। पहले भावावाकरण का शोह मचाने वाली सरकार ने समझ लिया कि बच्चों का भविष्य राजनीति से बड़ा है। 1,466 करोड़ के फंड्स से 260 स्कूल मॉडल बनेंगे, शिक्षकों की तनख्वाह मिलेगी, और स्मार्ट क्लासरूम व हुनरमंद कोर्स बच्चों को नई उड़ान देंगे। तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों को भी केरल से सीख लेनी चाहिए। एनईपी 2020 और पीएमश्री भारत की शिक्षा को वैश्विक स्तर पर ले जाएंगे। ये यू-टर्न बच्चों की जीत है, जिसका फायदा भविष्य में मिलेगा।

केरल में यह योजना 260 से ज्यादा स्कूलों में लागू होगी। शिक्षा मंत्री सिवनकुट्टी के मुताबिक, ये फंड्स टेक्स्ट बुक प्रिंटिंग, केश्चन पेपर सेटिंग, कोस्टल रीजन की जरूरतों और एससी-एसटी स्टूडेंट्स की सुविधाओं पर खर्च होंगे। राज्य में 7,000 से ज्यादा टीचर्स की सैलरी खरा खुद देता है, लेकिन बकाए चढ़ रहे थे। समग्र शिक्षा केरल (एसएसके) प्रोग्राम रुका पड़ा था। दिव्यांग बच्चों को एड इंक्लुमेंट नहीं मिला। साफ है, ये योजना सिर्फ एक स्कीम नहीं, बल्कि शिक्षा के पूे पारिस्थितिकी तंत्र को बदलने वाली क्रांति है। लेकिन राजनीतिक चरम ने इसे विवाद की भेट चढ़ा दिया।

केरल में पीएमश्री योजना का 2022 से ही एक नाटकीय धारावाहिक की तरह चल रहा था। केरल की सीपीआई (एम) नीत सरकार ने शुरू से ही पीएमश्री को एनईपी का हथियार बताया, और इसका विरोध एक आईडियोलॉजिकल स्टैंड की तरह पेश किया। मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने कई बार अपनी आवाज बुलंद करते हुए कहा कि एनईपी राष्ट्र के लिए खतरा है। उन्होंने इसे सांप्रदायिक एजेंडे का हिस्सा उहराया, जहां शिक्षा को सांप्रदायिक रंग दिया जा रहा है। शिक्षा मंत्री वी. सिवनकुट्टी ने मार्च 2025 में एक प्रेस रिलीज में साफ-साफ कहा था कि सरकार एमओयू (मैमॉरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग) पर दस्ताखत नहीं करेगी, क्योंकि ये योजना राज्य की शिक्षा परंपराओं और मूल्यों (वैल्यू) को कुचल देगी। उनका मुख्य इल्जाम था सैफरनाइजेशन ऑफ एजुकेशन का। सिवनकुट्टी ने कहा था, जब केंद्र सरकार ने टेक्स्टबुक में महात्मा गांधी की हत्या जैसे ऐतिहासिक घटनाक्रमों को मिटा दिया, तो केरल ने वैकल्पिक अस्थायी इंट्रोड्यूंस किए। पीएमश्री साइन करने से राज्य के स्कूलों में दोहरी सिलेबस हो जाएंगे, एक एनईपी वाली, जो भागवा रंग से रंगी लगती है और दूसरी राज्य की अपनी। इससे बच्चे कन्फ्यूजन में पड़ जाएंगे और हमारी इंकलूसिव, सेकुलर वैल्यूज खतरे में पड़ेंगी। लेकिन यह सब अब बीती बातें रह गई हैं।

लाल चौक पर...

ज्योतिर्मठ के संन्यासी ने बताया कि उन्होंने यहां दूसरी बार दीपोत्सव मनाया है। पिछली बार कम संख्या में दीप लगाए थे लेकिन इस बार दीपों की संख्या काफी बढ़ाई गई है। अयोध्या में जिस तरह दीपोत्सव हुआ वैसे ही श्रीनगर में किया गया। प्रकृति की रक्षा और लोगों के कल्याण के लिए यहां दीपोत्सव मनाया गया। उन्होंने कहा कि जहां कभी हिंसा होती थी आज वही लाल चौक दीपोत्सव से दमक उठा। कश्मीर वाकई में बदल रहा है। हमारा उद्देश्य है कि कश्मीर का पुरातन वैभव वापस लौटे। महर्षि कश्यप की पवित्र भूमि पर इस तरह के आयोजन उसी का संकेत है।



आज भाई दूज



दिवाली पर्व के बाद भाई दूज पर्व को बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। हिंदू पंचांग के अनुसार हर साल भाई दूज पर्व को कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को मनाया जाता है। इस दिन बहनें अपने भाई को तिलक लगाती हैं और उनके जीवन में सुख-समृद्धि बनी रहे इसकी कामना करती हैं। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि पंचांग के अनुसार, भाई दूज की तिथि 22 अक्टूबर 2025 को रात 08:16 बजे शुरू होकर 23 अक्टूबर 2025 को रात 10:46 बजे तक रहेगी। ऐसे में इस बार भाई दूज का पर्व 23 अक्टूबर 2025 को मनाया जाएगा। भाई दूज के दिन बहनें अपने भाइयों को घर बुलाकर भोजन कराती हैं और उनका तिलक लगाकर उनकी लंबी

उम्र की कामना करती हैं। भाई भी अपनी बहनों को उपहार देकर उसके सुखी वैवाहिक जीवन का आशीर्वाद देते हैं। भाई दूज का त्योहार भाई दूज, भैया दूज, भाई टीका, यम द्वितीया, भ्रातृ द्वितीया कई नामों से जाना जाता है। इसे यम द्वितीया, भाऊ बीज, भतर द्वितीया आदि नामों से जाना जाता है। इस साल भाई दूज का त्योहार 3 नवंबर को है। इस दिन बहनें अपने भाइयों को घर पर आमंत्रित करती हैं, उनका तिलक करती हैं और उन्हें भोजन कराती हैं। बदले में भाई बहनों को उपहार देते हैं। भाई दूज के साथ ही पांच दिवसीय दिवाली उत्सव का समापन होता है। भाई दूज का पर्व बहन और भाई के प्रति विश्वास और प्रेम का होता है। हर साल कार्तिक मास की शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि के दिन भाई दूज के पर्व मनाया जाता है। देशभर में भाई दूज के पर्व को अलग-अलग नामों

से भी जाना जाता है। यह दिन भाई बहन के प्यार और स्नेह के रिश्ते का प्रतीक होता है।

पंचांग के अनुसार भाई दूज की तिथि 22 अक्टूबर 2025 को रात 08:16 बजे शुरू होकर 23 अक्टूबर 2025 को रात 10:46 बजे तक रहेगी। ऐसे में इस बार भाई दूज का पर्व 23 अक्टूबर 2025 को मनाया जाएगा।

भाई दूज पूजा विधि

भाई दूज पर शाम को शुभ मुहूर्त में भाई बहन यमराज चित्रगुप्त और यम के दूतों की पूजा करें तथा सबको अर्घ्य दें। बहन, भाई की आयु वृद्धि के लिए यम की प्रतिमा का पूजन कर प्रार्थना करें। इसके बाद बहन, भाई को भोजन कराएं और तिलक लगाएं। इसके बाद भाई अपनी बहन को अपनी इच्छा के अनुसार उपहार दें। इस दिन सभी बहनें अपने हाथ से भाई को भोजन कराएं तो उसकी उम्र बढ़ती है। साथ ही उसके जीवन के सारे कष्ट दूर होते हैं।

यमुना और यमराज की पूजा का महत्व

प्रचलित कथाओं के अनुसार एक बार यमराज अपनी बहन यमुना से मिलने धरती पर आए। उस दिन कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि थी। भाई को आया देख यमुना ने उन्हें भोजन कराया और तिलक लगाकर आदर सत्कार किया। बहन का प्रेम देखकर यमराज ने कहा कि जो भी व्यक्ति इस तिथि पर यमुना में स्नान करके यम का पूजन करेगा मृत्यु के बाद उसे यमलोक की यातना नहीं सहनी पड़ेगी। तभी से कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को यमुना नदी में स्नान कर यमराज की पूजा करने का विशेष महत्व है। स्कंद पुराण में लिखा है कि यमराज को प्रसन्न कर, पूजन करने वाले की हर कामना पूरी होती है।

भाई दूज के दिन बहनें जरूर करें इस कथा का पाठ, भाई की होगी रक्षा



यह त्योहार कार्तिक शुक्ल पक्ष की द्वितीया को मनाया जाता है। यह भाई बहन के प्रेम का प्रतीक है। इस दिन भाई बहन को साथ-साथ यमुना स्नान करना, तिलक लगवाना तथा बहिन के घर भोजन करना अति फलदायी होता है। इस दिन बहन-भाई की पूजा कर उसके दीर्घायु तथा अपने सुहाग की कामना कर हाथ जोड़कर यमराज से प्रार्थना करती है। इसी दिन यमुना जी ने अपने भाई यमराज को भोजन कराया था। इसलिए इसे 'यम द्वितीया' भी कहते हैं। इस दिन श्रद्धा भाव से, स्वर्ण वस्त्र, मुद्रा आदि बहन को देना चाहिए।

कथा-सूर्य भगवान की स्त्री का नाम संज्ञादेवी था इनकी दो सन्तानें, पुत्र यमराज था कन्या यमुना थी। संज्ञा रानी पति सूर्य की उद्दीप्त किरणों को न सह सकने के कारण उत्तरी ध्रुव प्रदेश में छाया बनकर रहने लगी। उसी छाया से ताप्ती नदी तथा शनिश्चर का जन्म हुआ। इसी छाया से अश्विनी कुमारों का भी जन्म बताया जाता है जो देवताओं के वैद्य (भेषज) माने जाते हैं। इधर छाया का यम तथा यमुना से विमाता सा व्यवहार होने लगा। इससे खिन्न होकर यम ने अपनी एक नई नगरी यमपुरी बसायी, यमपुरी में

पापियों को दण्ड देने का काम सम्पादित करते भाई को देखकर यमुना जी गो लोक चली आई उन्होंने दूतों को भेजकर यमुना को बहुत खोजवाया, मगर मिल न सकी। फिर स्वयं ही गोलोक गए जहां विश्राम घाट पर यमुनाजी से भेंट हुई भाई को देखते ही यमुना ने हर्ष विभोर हो स्वागत सत्कार के साथ भोजन करवाया। इससे प्रसन्न हो यम ने वर मांगने को कहा।

यमुना ने कहा- हे भैया ! मैं आपसे यह वरदान मांगना चाहती हूँ कि मेरे जल में स्नान करने वाले नर-नारी यमपुरी न जायें? प्रश्न बड़ा कठिन था यम के ऐसा वर देने से यमपुरी का अस्तित्व ही समाप्त हो जाता अतः भाई को असमन्जस में देखकर यमुना बोली- आप चिन्ता न करें मुझे यह वरदान दें कि जो 'लोग आज के दिन बहिन के यहाँ भोजन करके, इस मथुरा नगरी स्थित विश्राम घाट पर स्नान करें वह तुम्हारे लोक न जायें।' इसे यमराज ने स्वीकार कर लिया इस तिथि को जो सज्जन बहन के घर भोजन नहीं करेंगे उन्हें मैं बांध कर यमपुरी को ले जाऊँगा और तुम्हारे जल में स्नान करने वालों को स्वर्ग प्राप्त होगा। तभी से यह त्योहार मनाया जाता है।

भाई दूज के दिन बहनें भूलकर भी न करें ये गलतियां, जानें क्या करें क्या न करें



भाई दूज का पर्व हर साल कार्तिक मास की कृष्ण पक्ष की द्वितीया तिथि के दिन मनाया जाता है। भाई दूज का त्योहार भाई-बहन के पवित्र रिश्ते का प्रतीक है। इस दिन बहनें अपने भाइयों की लंबी उम्र, अच्छे स्वास्थ्य और सुख-समृद्धि की कामना करती हैं। भाई दूज को लेकर मान्यता है कि इस दिन बहन द्वारा भाई के माथे पर तिलक करने से यमराज स्वयं भाई की रक्षा करते हैं। हालांकि, भाईदूज के दिन बहनों को कुछ बातों का विशेष ख्याल रखना चाहिए। शास्त्रों में इन चीजों को वर्जित बताया गया है। कहा जाता है कि इन गलतियों से पूजा का फल अधूरा रह जाता है।

भाई को जरूर लगाएं तिलक

भाईदूज के दिन अपने भाई को तिलक जरूर लगाएं। क्योंकि, अगर आप ऐसा नहीं करती हैं तो यह अशुभ माना जाता है। ऐसी मान्यता है कि अपने भाई को तिलक करके बहन अपने भाई की रक्षा के लिए यमराज से प्रार्थना करती है। अगर भाई दूर रहता है, तो उसकी तस्वीर पर तिलक लगाकर आशीर्वाद देना भी शुभ होता है।

भाई दूज की पूजा में जल्दबाजी न करें

भाई दूज के दिन पूजा पाठ में किसी भी तरह की जल्दबाजी न करें। कई बार बहनें जल्दी में ही पूरा विधि

विधान कर देती हैं। ऐसा करने से बचवना चाहिए। क्योंकि, पूजा में जल्दबाजी करने से देवता और यमराज दोनों नाराज हो सकते हैं। पूजा पूरे मन से और श्रद्धा के साथ करें। साथ ही इस दिन दोनों बहन भाई मिलकर यमराज और यमुना जी की पूजा करें।

तिलक में काले रंग का इस्तेमाल न करें

भाई दूज के तिलक में काला रंग या काजल का उपयोग भूलकर भी नहीं करना चाहिए। तिलक के लिए रोली, चंदन, केसर या हल्दी का प्रयोग करना चाहिए।

शाम के समय पूजा करने से बचें

भाई दूज की पूजा सुबह या दोपहर में ही की जाती है। शास्त्रों के अनुसार, शाम के समय तिलक करना या पूजा करना शास्त्रों के अनुसार उचित नहीं माना गया है। मान्यता है कि इस समय यमराज की ऊर्जा अधिक प्रभावी रहती है, जिससे अशुभ परिणाम हो सकते हैं।

भाई दूज पर जरूर करें ये काम

इस दिन बहन को भाई की आरती कर तिलक लगाने के बाद मिठाई खिलानी चाहिए। भाई को भी बहन को उपहार और मिठाई देकर आशीर्वाद लेना चाहिए। यमराज और यमुना जी की पूजा कर दीपदान करना बहुत शुभ होता है। इसके अलावा, जरूरतमंदों को दान करने से पुण्य प्राप्त होता है और भाई-बहन दोनों के जीवन में सुख-समृद्धि बढ़ती है। बहनों को इस दिन भाई की आरती कर तिलक लगाने के बाद मिठाई खिलानी चाहिए। साथ ही बहन को अपने भाई को नारियल का गोला जरूर देना चाहिए। भाई दूज का यह त्योहार केवल एक रस्म नहीं, बल्कि रिश्तों में प्रेम और विश्वास का प्रतीक है। इसलिए इस दिन को पूरे स्नेह और सकारात्मकता के साथ मनाएं और इन छोटी-छोटी गलतियों से बचें ताकि रिश्ते में सदा मिठास बनी रहे।

छठ पर्व करते हैं तो भाई दूज के दिन भूलकर भी नहीं करें ये काम, छठी मैया हो जाती हैं नाराज



कार्तिक मास की शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को भाई दूज का त्योहार मनाया जाता है। वहीं, कार्तिक मास के षष्ठी तिथि से छठ पर्व का आरंभ होता है। लेकिन कुछ ऐसी विशेष बातें हैं, जिनका ख्याल छठ पूजा करने वालों को भाई दूज यानी द्वितीया तिथि से ही रखना चाहिए। अगर आप छठ पूजा करते हैं या आपके परिवार में कोई महिला इस व्रत को करती है तो इस दिन भूलकर भी कुछ कार्य नहीं करने चाहिए। द्वितीया तिथि पर कुछ चीजें करना शुभ नहीं माना जाता है, इससे छठी मैया नाराज हो सकती हैं।

द्वितीया तिथि पर न करें शुभ कार्य

ऐसी मान्यता है कि कार्तिक मास की शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को मृत्युदा तिथि कहा जाता है। इसमें कोई भी शुभ या पुण्य का कार्य करना वर्जित माना गया है। हालांकि, यह तिथि बुधवार के दिन पड़ने से इसे शुभदा माना जाता है। यानी शुभ फल देने वाली, लेकिन फिर भी द्वितीया तिथि पर कोई भी पुण्य या शुभ कार्य न करें। ऐसा करने से जातक

को नुकसान उठाना पड़ सकता है। खासतौर पर छठ पर्व करने वालों को इस नियम का ख्याल रखना चाहिए।

छठ पर्व करने वाले न करें गेहूं को स्पर्श

अगर आप छठ पर्व करते हैं या आपके घर में यह त्योहार मनाया जाता है तो द्वितीय तिथि के दिन एक बात का विशेष ध्यान जरूर रखें। छठ पूजा में गेहूं को लेकर प्राचीन मान्यता चली आ रही है। इससे प्रसाद तैयार किया जाता है। ऐसे में इसकी पवित्रता का विशेष ख्याल रखा जाता है। छठ मैया के व्रत में श्रद्धालुओं की आस्था है कि प्रसाद का गेहूं झूठा या गंदा न हो। उसे अच्छी तरह साफ करके प्रयोग किया जाता है।

लेकिन इस कार्य को द्वितीय तिथि को भूलकर भी नहीं करना चाहिए। मान्यता है कि कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को छठ पर्व करने वालों को स्पर्श नहीं करना चाहिए, न उसकी महक लें और न उसे धोएं। यानी द्वितीय तिथि के दिन गेहूं से दूर रहना चाहिए।

छठ पूजा की खरीदारी करने से बचें

इस व्रत और त्योहार के लिए कई प्रकार की चीजों की आवश्यकता पड़ती है। ऐसे में लोग कुछ दिन पहले से ही छठ की खरीदारी में लग जाते हैं। लेकिन यह कार्य द्वितीय तिथि के दिन भूलकर भी न करें। मान्यता है कि भैया दूज पर छठ पूजा के प्रसाद की सामग्री नहीं खरीदनी चाहिए। क्योंकि इस दिन कोई भी शुभ कार्य करना वर्जित माना गया है। ऐसे में इस दिन छठ पर्व के लिए प्रसाद, फलों आदि की खरीदारी करने से बचना चाहिए। अन्यथा छठी मईया नाराज हो सकती है।

छठ पूजा की तैयारी कब करें शुरू

इस साल छठ महापर्व 25 अक्टूबर, शनिवार को नवरात्र खाय के साथ शुरू होगा। ऐसे में अगर आपने सामग्री की लिस्ट बनानी शुरू कर दी है, तो इसकी खरीदारी द्वितीय तिथि के बाद करें। यानी आप छठ पूजा के लिए खरीदारी और उसकी तैयारी तृतीया तिथि से शुरू कर सकते हैं। इस दिन से आप गेहूं को धोना, सुखाना, प्रसाद की सामग्री खरीदना आदि कार्यों की शुरुआत कर सकते हैं।

धन योग में भगवान विष्णु की कृपा से वृषभ सिंह समेत अन्य राशियों के जातक पाएंगे तरक्की और लाभ

आज 23 अक्टूबर दिन गुरुवार है जिसके स्वामी ग्रह गुरु बृहस्पति हैं जबकि आज के देवता भगवान विष्णु रहेंगे। आज तिथि रहेगी कार्तिक मास की शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि। इस पर आज चंद्रमा का गोचर तुला राशि में होगा। और चंद्रमा के साथ मंगल की युति होने से चंद्र मंगल योग बनेगा। और इसके साथ ही आज चंद्रमा और गुरु के एक दूसरे से केंद्र भाव में होने से गजकेसरी योग बनेगा। और इसके साथ ही आज चंद्रमा से द्वादश भाव में शुक्र के होने से अनफा योग बनेगा। साथ ही आज विशाखा नक्षत्र के संयोग में आयुष्मान योग भी बन रहा है। ऐसे में भगवान विष्णु की कृपा और धन योग के प्रभाव से आज भाग्यशाली रहेंगे वृषभ, सिंह, तुला, धनु और मकर राशि के जातक।

वृषभ राशि – आज का दिन वृषभ राशि के जातको के लिए शुभ लाभदायक और लकी रहेगा। सितारे बताते हैं कि आपको आज के दिन नौकरी में अनुकूल स्थिति मिलने से प्रसन्नता होगी। अधिकारी और सहकर्मी दोनों से भी आप सहयोग प्राप्त कर पाएंगे। आपको आज के दिन बिजनेस में अपेक्षा से बढ़कर लाभ मिलेगा। जो लोग बैंक से लोन लेने के प्रयास कर रहे हैं उनको सफलता मिलेगी। प्रॉपर्टी से संबंधित काम में भी आज आपको भाग्य का पूरा सपोर्ट

मिलेगा। आप आज राजनीतिक क्षेत्र में संपर्क का लाभ ले पाएंगे। परिवार के साथ आपका तालमेल अच्छा रहेगा। जीवनसाथी को आप कहीं घुमाने भी ले जा सकते हैं। सामाजिक संपर्क का आपको आज लाभ मिलेगा।

उपाय : आपको आज उपाय के तौर पर श्रीहरि स्तोत्र का पाठ करना चाहिए। पीले चंदन का तिलक भी करना चाहिए।

सिंह राशि – सिंह राशि के जातको का मनोबल आज ऊंचा रहेगा। आपको भाग्य आज एक के बाद एक अर्ज सफलता प्रदान कर सकता है। आप आज कोई नया काम शुरू कर सकते हैं और पुराने चल रहे काम में भी आपको आज लाभ मिलेगा। आपके सितारे बताते हैं कि आपको आज फैमिली बिजनेस में बड़ा लाभ मिल सकता है। कोई महत्वपूर्ण काम जो काफी समय से टलता जा रहा है वह भी पूरा हो सकता है। आपको आज ईश्वरीय कृपा की अनुभूति होगी। बीमार चल रहे जातको के स्वास्थ्य में सुधार होगा। आपको कहीं से कोई गिफ्ट या अचानक आर्थिक लाभ मिल सकता है। नौकरी की तलाश में जुटे जातकों को कामयाबी मिल सकती है। आपको किसी काम में पूर्व ज्ञान का फायदा होगा और शिक्षा में प्रदर्शन से मन आनंदित होगा।

उपाय : सिंह राशि के लोगों को आज के दिन उपाय के तौर पर गुड़ और चने की दाल का दान करना चाहिए।

तुला राशि – तुला राशि के जातको को लिए आज गुरुवार का दिन शुभ लाभदायक रहेगा। आज आपके संपर्क का दायरा बढ़ेगा। कुछ नए लोगों से आपकी जान पहचान हो सकती है जिससे आपको भविष्य में लाभ का संयोग बनेगा। नौकरी में आज आपका दिन अनुकूल बीतेगा। आपको अधिकारी वर्ग का सपोर्ट मिलेगा। किसी मित्र या सगे संबंधी से भी आपको आज सहयोग मिल सकता है। आपको भाग्य आज अप्रत्याशित लाभ दिला सकता है। तुला राशि के जातक किसी कोर्स में दाखिला लेने के लिए प्रयास कर रहे हैं तो आज के दिन कामयाबी मिल सकती है। आपको आज पिता और पैतृक धन संपत्ति का भी लाभ मिलेगा। कोई खोई हुई वस्तु मिल जाने से आपको प्रसन्नता होगी। जो जातक वस्त्र और शौक श्रृंगार की वस्तुओं का कारोबार करते हैं उनको आज विशेष लाभ मिलेगा।

उपाय : आपको आज उपाय के तौर पर आटे का दीपक बनाकर तुलसी को दीपक दिखाना चाहिए।

धनु राशि – धनु राशि के लिए आज धन योग का



संयोग लाभदायक रहेगा। आपको आज किसी अप्रत्याशित स्रोत से आर्थिक लाभ मिल सकता है। कोई प्रॉपर्टी संबंधी डील करने जा रहे हैं तो आपको कामयाबी मिलेगी। आप आज बिजनेस में लाभदायक सौदा मिलने की खुशी होगी। परिवार के साथ आपका आज सुखद समय बीतेगा। घर में किसी की शादी की बात चल रही है तो बात आगे बढ़ेगी जिससे प्रसन्नता का माहौल बना रहेगा। आप आज किसी धार्मिक और सामाजिक काम में भाग लेकर नाम और यश हासिल कर सकते हैं। किसी पैसे उधार दिए हैं तो आपको अपना धन वापस मिल सकता है। कोई पुराना मित्र या संबंधी आज आप आपकी मदद कर सकता है। स्वास्थ्य भी सामान्य रूप से अच्छा रहेगा।

उपाय : आपको आज उपाय के तौर पर भगवान विष्णु की पूजा करनी चाहिए और विष्णु चालीसा का पाठ करना चाहिए।

मकर राशि – आज का दिन मकर राशि के जातको के लिए शुभ लाभदायक रहेगा। आपको पूर्व में किए गए निवेश का लाभ मिलेगा। नौकरी की तलाश में जुटे जातकों को आज कामयाबी मिल सकती है। आपके सितारे बताते हैं कि आपको आज सरकारी क्षेत्र के काम में भी सफलता मिलेगी। आप आर्थिक प्रयास में आज सफलता पाएंगे। नौकरी में आपके ऊपर काम का दबाव रहेगा लेकिन आप बेहतर प्रबंधन क्षमता से स्थिति को सामान्य बनाए रखने में सफल रहेंगे। आपको आज कोई लाभ और तरक्की का भी मौका मिलेगा। वाहन सुख मिलने का भी योग बना हुआ है। जो लोग गाड़ी खरीदने के लिए प्रयास कर रहे हैं उनको कामयाबी मिलेगी। सामाजिक क्षेत्र में आपका प्रभाव और सम्मान मिलेगा। किसी सगे संबंधी से मिलने का भी संयोग बन सकता है। कार्य व्यापार के सिलसिले में की गई यात्रा सफल रहेगी।

उपाय : आपको आज उपाय के तौर पर हल्दी का तिलक करना चाहिए और केले के पेड़ को दीप दिखाना चाहिए।

देवेन वर्मा : बॉलीवुड के सबसे प्यारे हास्य कलाकार, जिन्होंने बनाई अपनी अलग पहचान

हिं दी सिनेमा के मशहूर कमीडियन और शानदार अभिनेता देवेन वर्मा अपनी अदाकारी से लोगों के दिलों पर राज करते थे। उन्होंने फिल्मों में हास्य के जादू को इस तरह पेश किया कि आज भी उनकी कॉमेडी याद की जाती है और सराही जाती है। उनकी फिल्मी यात्रा रोमांचक, प्रेरणादायक और उतार-चढ़ाव से भरपूर रही। उनकी शुरुआत बेहद मामूली फीस से हुई थी। देवेन वर्मा को उनकी पहली फिल्म 'धर्मपुत्र' के लिए मात्र 600 रुपये मिले थे। यह छोटी सी रकम उनके लंबे और सफल करियर की शुरुआत थी, जिसने उन्हें बॉलीवुड के सबसे प्यारे हास्य कलाकार के रूप में स्थापित किया। देवेन वर्मा का जन्म 23 अक्टूबर 1937 को गुजरात के कच्छ क्षेत्र में हुआ था, लेकिन उनका परिवार बाद में पुणे शिफ्ट हो गया। उन्होंने नौरोजी वाडिया कॉलेज से राजनीति विज्ञान और समाजशास्त्र में ऑनर्स किया था। पढ़ाई के दौरान ही देवेन का झुकाव अभिनय की तरफ हो गया था। वे स्टेज शो में हिस्सा लेने लगे और लोकप्रिय कलाकारों की मिमिक्री करने लगे।

एक बार वे नार्थ इंडिया पंजाबी एसोसिएशन के स्टेज शो में प्रदर्शन कर रहे थे, तभी बी. आर. चोपड़ा ने उन्हें देखा और उनकी प्रतिभा से इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने देवेन को अपनी फिल्म 'धर्मपुत्र' में काम करने का मौका दिया। इस फिल्म के लिए देवेन को 600 रुपये की फीस मिली।

हालांकि 'धर्मपुत्र' फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं रही, लेकिन देवेन वर्मा के लिए यह एक बड़ा कदम साबित हुआ। इसके बाद उन्होंने फिल्म 'गुमराह' में नौकर का किरदार निभाया, जिसमें उनकी एक्टिंग को दर्शकों



और निर्माताओं ने खूब सराहा। धीरे-धीरे देवेन ने बॉलीवुड में अपनी पहचान बनानी शुरू कर दी।

1970 के दशक में देवेन वर्मा ने कॉमेडी के क्षेत्र में अपना

नाम चमकाया। उनकी फिल्मों में 'चोरी मेरा काम', 'चोर के घर चोर', 'अंगूर', 'गोलमाल', 'खट्टा मीठा', और 'रंग बिरंगी' जैसी हिट शामिल हैं। खास बात यह थी कि देवेन ने कभी अपनी कॉमेडी में अश्लीलता का सहारा नहीं लिया। उनका मानना था कि दूसरों को हंसाने के लिए खुद की मर्यादा का ध्यान रखना जरूरी है।

देवेन वर्मा को उनकी प्रतिभा और मेहनत के लिए तीन बार फिल्मफेयर अवार्ड से नवाजा गया। उन्होंने 'चोरी मेरा काम', 'चोर के घर चोर', और 'अंगूर' जैसी फिल्मों में अपनी कॉमेडी के दम पर ये सम्मान जीते। इन फिल्मों में उनकी एक्टिंग ने दर्शकों को खूब हंसाया और मनोरंजन की परिभाषा को नया रंग दिया। देवेन वर्मा गुलजार, ऋषिकेश मुखर्जी और बासु चटर्जी जैसे दिग्गज निर्देशकों के साथ काम करके अपने करियर को और ऊंचाइयों तक ले गए।

देवेन वर्मा की निजी जिंदगी भी बॉलीवुड की तरह ही दिलचस्प थी। उन्होंने मशहूर अभिनेता अशोक कुमार की बेटी रूपा गांगुली से शादी की थी। यह शादी उनकी पहली मुलाकात के कुछ साल बाद हुई। अशोक कुमार के साथ कई फिल्मों में काम करने के दौरान उनकी दोस्ती गहरी हो गई थी, जिसने अंततः प्यार का रूप ले लिया।

अपने लंबे करियर में देवेन वर्मा ने लगभग 149 फिल्मों में काम किया। उन्होंने न केवल कॉमेडी में अपनी खास पहचान बनाई, बल्कि कुछ फिल्मों का निर्देशन और निर्माण भी किया। हालांकि, 2 दिसंबर 2014 को पुणे में उनका निधन हो गया। उनकी मौत दिल का दौरा पड़ने के कारण हुई। उनकी यादें और हंसी आज भी बॉलीवुड के दिल में जिंदा हैं।

मीरा राजपूत ने दीवाली पर पटाखों को लेकर जताई नाराजगी, कहा

ये परंपरा नहीं, पर्यावरण की तबाही है



ह र साल दीवाली के बाद वायु प्रदूषण का स्तर जिस तरह से बढ़ता है, वह अब केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि हमारी सेहत पर सीधा असर डालने लगा है। इस बार भी कुछ ऐसा ही देखने को मिला जब दीवाली के बाद दिल्ली और मुंबई की हवा बेहद खराब हो गई। राजधानी दिल्ली में एयर कालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 'गंभीर' श्रेणी में पहुंच गया, जबकि मुंबई के कई हिस्सों में हवा की गुणवत्ता 'बहुत खराब' स्तर पर दर्ज की गई। इस चिंताजनक स्थिति पर अब सोशल मीडिया के जरिए कई आवाजें उठ रही हैं। इन्हीं में से एक हैं बॉलीवुड अभिनेता शाहिद कपूर की पत्नी मीरा राजपूत कपूर की आवाज, जिन्होंने पटाखों को लेकर लोगों की सोच पर सवाल खड़े किए हैं। मीरा राजपूत कपूर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट की स्टोरी पर एक लंबा नोट शेयर करते हुए पटाखे चलाने की परंपरा पर नाराजगी जताई। उन्होंने लिखा, "हम हर साल पटाखे फोड़ने को बच्चों की खुशी या पारंपरिक अनुभव के नाम पर दोहराते हैं, लेकिन ये सोच ही गलत है। अगर हम बड़े लोग पटाखे चलाने को सामान्य मानेंगे, तो हमारे बच्चे भी यही सीखेंगे और ये सिलसिला कभी नहीं रुकेगा।"

उन्होंने कहा कि सिर्फ एक बार, सिर्फ देखने के लिए, या सिर्फ इंस्टाग्राम के लिए, ये कोई भी वजह पटाखे फोड़ने को सही नहीं ठहराती।

मीरा ने खास तौर पर सोशल मीडिया पर दिखावे के चलन पर भी कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि केवल एक सुंदर तस्वीर के लिए हाथ में फुलझड़ी लेना और उसे 'पटाका एस्थेटिक' कह कर दिखाना, दरअसल हवा में जहर घोलने जैसा है। यह पर्यावरण की तबाही की तरह है। ये कोई ऐसा अनुभव नहीं है, जिसे बच्चों को देना जरूरी हो। अगर हम इस व्यवहार को बार-बार दोहराते रहेंगे, तो अगली पीढ़ी भी इसे परंपरा का हिस्सा समझती रहेगी और यह कभी खत्म नहीं होगा।

मीरा ने अपने पोस्ट में उन लोगों की दोहरी सोच पर भी सवाल उठाए जो साल भर पर्यावरण की बात करते हैं, बच्चों से 'पटाखे नहीं जलाने' के पोस्टर बनवाते हैं, लेकिन दीवाली आते ही खुद पटाखे फोड़ने लगते हैं। उन्होंने इसे दिखावा और पाखंड बताया। उनके अनुसार यह सिर्फ सोशल मीडिया की स्टोरी के लिए नहीं, बल्कि हमारे बच्चों की सांसों की बात है। हवा की गुणवत्ता कोई खबर नहीं, बल्कि हमारी जिंदगी का अहम हिस्सा है, जिसे हम हर साल नजरअंदाज करते हैं।

मीरा ने आगे कहा, "जब पढ़े-लिखे, जागरूक और संपन्न लोग भी ऐसे मामलों में समझदारी नहीं दिखाते, तो यह और भी दुखद होता है। मैं अपने बच्चों को पटाखों का तमाशा नहीं दिखाती, क्योंकि यह उनकी सेहत और सोच दोनों के लिए गलत है।"

नरगिस फाखरी : अमेरिका और पाकिस्तान में मॉडलिंग फिर बॉलीवुड में की धमाकेदार एंट्री

बॉ लीवुड हो या फिर हॉलीवुड फिल्म, एक्ट्रेस नरगिस फाखरी ने कई फिल्मों में अपने ग्लैमरस भूमिका से दर्शकों का मनोरंजन किया है। मॉडलिंग में सफलता मिलने के बाद 2011 में नरगिस को पहली ही बार में रणबीर कपूर के साथ रॉकस्टार में स्क्रीन शेयर करने का मौका मिला, वह भी बतौर लीड एक्ट्रेस। एक्ट्रेस के करियर की शुरुआत भले ही अच्छी रही हो, लेकिन धीरे-धीरे उनके करियर की गाड़ी स्लो हो गई। आज भी नरगिस फिल्मों में सेकेंड लीड का रोल प्ले करती हैं। नरगिस सोमवार को अपना 46वां जन्मदिन मना रही है। नरगिस फाखरी का जन्म न्यूयॉर्क में हुआ है, लेकिन पाकिस्तान से भी उनका रिश्ता है। उनके पिता मोहम्मद फाखरी पाकिस्तानी के मूल निवासी थे और उनकी शादी मारिया ए. फाखरी से हुई थी। हालांकि दोनों का तलाक हो चुका है और उनके पिता भी अब दुनिया में नहीं रहे हैं। दोनों माता-

पिता के अलग-अलग देशों के होने की वजह से उन्हें पाकिस्तान और अमेरिका दोनों की नागरिकता प्राप्त है।

नरगिस की रुचि मॉडलिंग में थी। 16 साल की उम्र में ही उन्होंने मॉडलिंग शुरू कर दी थी। उन्होंने पाकिस्तानी शो के लिए भी मॉडलिंग की और साल 2004 में अमेरिका नेक्स्ट मॉडल शो में हिस्सा लिया, जिसके बाद उन्होंने भारत में किंगफिशर कैलेंडर और बाकी बड़े ब्रांड के लिए मॉडलिंग करनी शुरू की और उनका चेहरा हर तरफ छा गया। मॉडलिंग में मिली सफलता के साथ नरगिस ने साल 2011 में आई फिल्म रॉकस्टार से बॉलीवुड में एंट्री मिली। फिल्म चल निकली और इतनी ज्यादा फेमस हो गई कि नरगिस और रणबीर के लिए मील का पत्थर साबित हुई। इसके बाद उन्होंने 'मद्रास कैफे', 'मैं तेरा हीरो', 'अजहर' और 'अमावस' जैसी हिट फिल्मों में दीं।

उन्होंने 2015 में हॉलीवुड फिल्म 'स्पाई' में भी काम किया। जब क्रिस्मत चमकी तो नरगिस ने साउथ में भी हाथ आजमाया और 'रश्रा: द रे ऑफ लाइट' और 'साहसम' में काम किया।

हालांकि कुछ समय बाद उन्होंने यह कहकर बॉलीवुड से दूरी बना ली कि वे लगातार फिल्मों में कर रही थीं और काफी तनाव ले रही थीं। काम के दौरान वह परिवार और दोस्तों को काफी मिस कर रही थीं। एक्ट्रेस ने बताया था कि वह अब कुछ समय अपनी खुशी के लिए निकालना चाहती हैं। पर्सनल लाइफ की बात करें तो नरगिस ने गुपचुप तरीके से अपने लॉन्ग टर्म बॉयफ्रेंड से शादी कर ली है और 6 महीने तक अपनी शादी को छिपाकर रखा था, लेकिन अब वो अपने पति टोनी बेग के साथ मीडिया के सामने आती रहती हैं।

दीपावली के बाद दिल्ली में प्रदूषण बढ़ने पर वाणी कपूर ने जताई चिंता

दी पावली के एक दिन बाद देश की राजधानी नई दिल्ली की वायु गुणवत्ता खराब हो गई। इस पर अभिनेत्री वाणी कपूर ने चिंता जताई। उन्होंने एक पोस्ट करते हुए उम्मीद जताई कि अगले साल हम वायु प्रदूषण को बढ़ाए बिना जश्न मनाने का कोई नया तरीका तलाश करेंगे। वाणी कपूर ने इंस्टाग्राम पर बताया कि जब वह सुबह उठीं तो नई दिल्ली में एक्यूआई का स्तर 447 तक पहुंच गया। उन्होंने लिखा, सुबह उठी तो दिल्ली का एक्यूआई 447 था, जो आज दुनिया में सबसे अधिक है। शायद अगले साल, हम हवा को प्रदूषित किए बिना जश्न मनाने का तरीका खोज लें।

उनका इशारा दीपावली की रात में फोड़े गए पटाखों से हुए प्रदूषण की तरफ था, जिसके चलते राजधानी की वायु गुणवत्ता

का स्तर गिर गया। दीपावली के बाद अक्सर दिल्ली-एनसीआर का एक्यूआई लेवल बढ़ जाता है। इसके लिए अधिकतर लोग दीपावली में इस्तेमाल किए गए पटाखों को दोष देते हैं। फिल्मों की बात करें तो वाणी कपूर को पिछली बार 'द बुकर ऑफ बनारस' उपन्यास पर आधारित 'मंडला मर्डर्स' में देखा गया था। इसके साथ उन्होंने ओटीटी पर डेब्यू किया था। इसमें उत्तर प्रदेश के एक काल्पनिक शहर चरणदासपुर की कहानी है। यहां होने वाले मर्डर एक पुरानी लेकिन अजीब प्रथा से जुड़े थे। इसकी जांच करने में जुटी पुलिस के सामने ऐसे भेद खुलते हैं जो कुछ लोगों की आस्था पर सवाल खड़े करते हैं। इस सीरीज में वैभव राज गुप्ता, सुवीन चावला, रघुबीर यादव और श्रिया पिलागांवकर जैसे कलाकार भी हैं।

फिल्म थामा का दीपावली पर रिलीज होना मेरे लिए बहुत स्पेशल है : आयुष्मान

बॉ लीवुड अभिनेता आयुष्मान खुराना की फिल्म 'थामा' रिलीज हो चुकी है। इसमें वह रश्मिका मंदाना के साथ पहली बार बड़े पर्दे पर साथ दिखाई दे रहे हैं। आयुष्मान ने बताया कि 'थामा' उनके करियर की सबसे महत्वपूर्ण फिल्म है। अभिनेता ने एक किस्सा साझा करते हुए कहा कि हर साल वह अपने परिवार के साथ किसी सुपरस्टार की फिल्म देखने सिनेमाघरों में जाते थे, मगर इस बार उन्होंने अपनी फिल्म के साथ उस खुशी का अनुभव किया। इस फिल्म ने पहले दिन करीब 25 करोड़ रुपये की कमाई की। 'थामा' के बारे में बात करते हुए आयुष्मान खुराना ने कहा, मैं एक एंटरटेनर हूँ, इसलिए दीपावली की इस बड़ी छुट्टी के दौरान लोगों को 'थामा' और मेरे अभिनय को पसंद करते और पसंद करते देखकर मुझे बहुत खुशी हो रही है।

उन्होंने कहा, जब निर्माता दिनेश विजान ने मुझे बताया कि 'थामा' दीपावली पर रिलीज हो रही है, तो मैं बहुत खुश हुआ क्योंकि इस पल का मैं बेसब्री से इंतजार कर रहा था कि मेरी भी कोई फिल्म बड़े स्टार्स की तरह दीपावली पर रिलीज हो।



आयुष्मान खुराना ने आगे कहा, एक ऐसा त्योहार जिस पर बड़े-बड़े सुपरस्टार अपनी फिल्मों रिलीज करते आए हैं, 'थामा' मेरे करियर की सबसे बेहतरीन फिल्म है और मैं खुशकिस्मत हूँ कि इसे दीपावली पर रिलीज करने का मौका मिला। हर साल मैं अपने परिवार के साथ किसी सुपरस्टार की फिल्म देखने सिनेमाघरों में जाता था। इस बार मैं अपने परिवार के साथ अपनी फिल्म देखने सिनेमाघरों में गया। यह अविश्वसनीय लगता है। आयुष्मान खुराना ने निर्माता दिनेश विजान का शुक्रिया अदा करते हुए कहा, मैं दिनेश विजान का शुक्रिया अदा करता हूँ कि उन्होंने मुझ पर एक ऐसे किरदार को निभाने का भरोसा दिखाया, जिसके बारे में लोगों को ज्यादा जानकारी नहीं है। एक 'बेताल' के रूप में मेरे किरदार को दर्शकों द्वारा देखा जाना और सराहा जाना, मेरे लिए वाकई एक अद्भुत अहसास है।

आयुष्मान खुराना ने आखिर में बताया कि 'थामा' को पहले दिन जो दर्शकों को प्यार मिला, उसने यह मिथक तोड़ा कि लोग दीपावली पर सिर्फ सीकल, रिमेक और बड़े सुपरस्टार की फिल्में देखना चाहते हैं।



